राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 03 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–252 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृतज्ञ राष्ट्र ने बापू, शास्त्री को याद किया, प्रधानमंत्री पहुंचे राजघाट और विजय घाट, पुष्पांजलि अर्पित की

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी और दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने विजयघाट पहुंचकर लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित की।

नई दिल्ली। कृतज्ञ राष्ट्र आज (सोमवार) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दे रहा है। सुबह से ही राजघाट और विजयघाट पर दोनों के समाधि स्थलों पर पुष्पाजंलि अर्पित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी की 154वीं जयंती पर राजघाट और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 119वीं जयंती पर विजयघाट पहुंचकर भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी और दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने विजयघाट पहुंचकर लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा- गांधी जयंती के विशेष अवसर पर मैं महात्मा गांधी को नमन करता हूं। उनके कालजयी विचार हमारे पथ को आलोकित करते रहते हैं। महात्मा गांधी का प्रभाव वैश्विक है। हम सदैव उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने दूसरे

संदेश में लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनकी सादगी, राष्ट्र के प्रति समर्पण और जय जवान, जय किसान का प्रतिष्ठित आह्वान आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। देश की प्रगति

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा-महात्मा गांधी के सत्य (सत्याग्रह) और अहिंसा के सिद्धांतों ने भारत की स्वतंत्रता के लिए औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई।

के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और चुनौतीपूर्ण समय में उनका नेतृत्व अनुकरणीय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा- समस्त नागरिकों की तरफ से मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। सत्य और अहिंसा संबंधी गांधी जी के आदर्शों ने विश्व के लिये एक नया मार्ग प्रशस्त किया। गांधी जी ने जीवन भर न केवल अहिंसा का पालन किया, बल्कि उन्होंने स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और किसानों के अधिकारों के लिये आवाज उठाई तथा अस्पृश्यता, सामाजिक भेदभाव व निरक्षरता के विरुद्ध संघर्ष किया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा-महात्मा गांधी के सत्य (सत्याग्रह) और अहिंसा के सिद्धांतों ने भारत की स्वतंत्रता के लिए औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। स्वतंत्रता और समानता के लिए उनके द्वारा किए गए निरंतर प्रयास न केवल भारत बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय के लिए एक न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण समाज की स्थापना में प्रकाश स्तंभ की तरह हैं।

अरविन्द केजरीवाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को किया नमन

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को उनकी जयंती पर नमन करते हुए उनके आदर्शों का पालन करने का आह्वान किया।

केजरीवाल ने एक्स पर लिखा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी को उनकी जयंती के अवसर पर कोटि-कोटि नमन। बापू जी के महान दृढ़ संकल्प और अहिंसा के सिद्धांत ने हमारे देश को स्वतंत्रता की ओर अग्रसर किया। आइए, हम सभी उनके आदर्शों का पालन करें और मिलकर भारत को आगे बढ़ाने के लिए काम करें। उन्होंने कहा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। सादगी और सरलता के साथ देश की सेवा करने की उनकी दृढ़ता सदा हम सबको प्रेरित करती रहेगी।

मुर्मु ने महात्मा गांधी को किया नमन, श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती पर उन्हें नमन किया और विनम्र श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि गांधी जी ने केवल अहिंसा के लिए ही लड़ाई नहीं लड़ी बल्कि उन्होंने स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और किसानों के अधिकारों के लिए भी समर्पित भाव से कार्य किया। उन्होंने कहा कि मैं सभी नागरिकों की तरफ से गांधी जी को उनकी 154वीं जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व के कई बड़े नेता गांधी जी के विचारों से प्रभावित हुए जिनमें मार्टिन लूथ किंग जूनियर, नेल्सन मंडेला और बराक ओबामा भी शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अलावा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा कांग्रेस नेता राहुल सहित कई अन्य राजनीतिक दिग्गजों ने भी राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

पर्यटकों के लिए खुला कूनो राष्ट्रीय उद्यान, अब आसानी से कर सकेंगे चीतों का दीदार

श्योपुर/भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान के गेट नए पर्यटन सीजन में पर्यटकों के लिए खोल दिए गए हैं। पहले दिन कूनो पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए पूजा-अर्चना कर गेट खोले गए। यहां पर्यटक अब चीतों के आसानी से दीदार कर सकेंगे। दरअसल, चीता प्रोजेक्ट के तहत भारत सरकार द्वारा कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों को बसाया गया है। फिलहाल चीतों को यहां बड़े बाड़ों में छोड़ दिया गया है। रविवार को यहां गेट खोलने के साथ ही पर्यटकों का माला पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत भी किया गया। पहले दिन 11 पर्यटक पहुंचे, इस बार चीतों के खुले जंगल में छोड़ने की संभावना के कारण सीजन में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की भी उम्मीद है। गौरतलब है कि मानसून सीजन में कूनो समेत सभी राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य तीन माह के लिए बंद कर दिए जाते हैं। रविवार को कूनो उद्यान के पीपलवाड़ी और अहेरा गेट खोले गए, जबकि मुख्य गेट टिकटोली (सेसईपुरा की ओर)

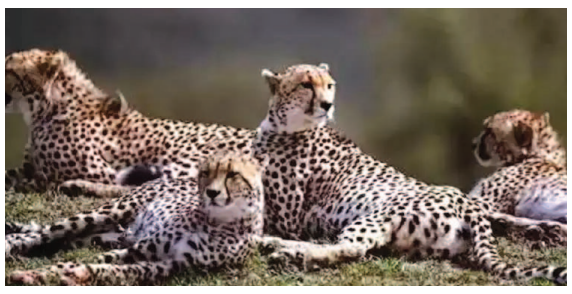

अभी बंद रहेगा। इसके साथ ही रविवार को प्रदेश के सभी नेशनल पार्क और अभयारण्य पर्यटकों के लिए खुल गये हैं। पहले दिन सभी अभयारण्यों में सैलानी घूमने पहुंचे, जिनका स्वागत अभयारण्य के अधिकारियों ने फूल माला पहनाकर उनका किया। जिप्सी सवार सैलानियों को अभ्यारण की सैर कराने के लिए जंगल में लेकर गये। तीन महीने के इंतजार के बाद प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्व के साथ नए टाइगर रिजर्व बनने जा रहे नौरादेही अभयारण्य भी पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। बैरियर खुलने के बाद जैसे ही पर्यटकों को जंगल की सैर करने करने अंदर जाना था, उन्हें वन कर्मियों ने माला पहनाई और गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

बिहार में राजद पर कहीं भारी न पड़ जाए ब्राह्मण बनाम राजपूत की लड़ाई

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में ठाकुर का कुआँ पर बवाल मचा हुआ है और कुछ लोग इसे %ब्राह्मण बनाम राजपूत% की राजनीतिक लड़ाई से जोड़कर देख रहे हैं। हालाँकि लड़ाई का ये नैरेटिव जम नहीं पा रहा है, क्योंकि राजद सांसद मनोज झा को उनका अपना समुदाय ही नेता नहीं मानता है। मनोज झा ब्राह्मणों के वैसे ही नेता हैं जैसे मुख्तार अब्बास नकवी मुसलमानो के नेता हैं। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा, अतिवादी कथित सेक्यूलर नैरेटिव और पेरियारवादी अंध-ब्राह्मण-विरोध के इर्दगिर्द खड़े रहे हैं– जिसका विरोध ढेर सारे ब्राह्मणों ने किया था, जब उन्होंने उदयनिधि स्टालिन के 'सनातन को खत्म करो' का समर्थन किया था। दूसरी बात ये कि उन्होंने कभी ब्राह्मणों या सवर्णों के मुद्दे पर न तो राजनीति की और न ही उन मुद्दों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से उठाया जैसा कि बिहार में संजय झा या अन्य ब्राह्मण नेता करते रहे हैं। हाँ, ठाकुर का कुआँ विवाद पर उनका विरोध करने वाले आनंद मोहन को ज़रूर अपनी जाति के एक हिस्से का समर्थन प्राप्त रहा और वे और उनका परिवार कई बार उस वोट बैंक की सहायता से सांसद भी बने। एक जमाने में तो उनकी पत्नी ने औरंगाबाद और वैशाली जाकर बिहार के सबसे

बड़े राजपूत नेता सत्येंद्र नारायण सिंह के परिवार से आने वाले उम्मीदवार को हरा दिया था। आनंद मोहन का परिवार बिहार के अलग-अलग हिस्सों से विधानसभा और लोकसभा में पहुंचता रहा है जिसमें सहरसा, शिवहर, वैशाली और औरंगाबाद जिला शामिल है। इस मायने में उनकी एक अखिल बिहार के नेता की छवि भी बनती है। हालांकि वो छवि उन उनके आपराधिक कृत्यों में लिप्त होने से ब्रांड नहीं बन पाया, नहीं तो आनंद मोहन में वो संभावना थी कि वो एक जमाने में लालू को चुनौती देने वाले नेता बन गए थे– जब लालू अपने प्रचंड जनसमर्थन के साथ बिहार में दुबारा मुख्यमंत्री बन गए थे। आनंद मोहन और पप्पू यादव में वो ऊर्जा थी कि अगर वे सिर्फ संसदीय राजनीति करते और अपराध में लिप्त न होते तो बिहार में एक नक्षत्र की तरह उदीयमान होते।

इतना ही नहीं, आनंद मोहन को सिर्फ राजपूतों का समर्थन नहीं है–सहरसा और कोसी प्रमंडल के लोगों से बात करिए तो वहाँ के ब्राह्मणों के मन में भी आनंद मोहन के प्रति सहानुभूति है क्योंकि लालू यादव के सत्तानशीं होने के बाद ब्राह्मणों पर हुए हमलों में आनंद मोहन ने ब्राह्मणों का खुलकर समर्थन किया था।

देखा जाए तो आनंद मोहन की राजनीति मंडल विरोध और सवर्ण राजनीति रही है और वे जिस इलाके से आते हैं, वहां यादव राजनीति से उनका शाश्वत विरोध है।

अनुराग ठाकुर ने महिला स्केटिंग टीम को दी बधाई

हांगझोउ। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज महिला स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में कांस्य पदक जीतने वाली संजना भटुला, कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी राज की स्केटिंग टीम को बधाई दी है।

श्री ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सोमवार को लिखा कि एशियाई खेल 2022 में स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में पदक तालिका में स्थान बनाने वालीसंजना भटुला, कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी राज को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई।

● प्रत्येक कदम ने उनके समर्पण और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया, जिस पर राष्ट्र को गर्व है। हमारी महिला स्केटर्स का एक शानदार प्रयास।

उन्होंने कहा कि उनकी अविश्वसनीय गति, त्रुटिहीन संतुलन और उल्लेखनीय टीम वर्क के प्रदर्शन के कारण यह प्रभावशाली उपलब्धि हासिल हुई। प्रत्येक कदम ने उनके समर्पण और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया, जिस पर राष्ट्र को गर्व है। हमारी महिला स्केटर्स का एक शानदार प्रयास।

उल्लेखनीय है कि चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज भारत की संजना भटुला, कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी ने महिलाओं की स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर स्पर्धा में 4:34:861 मिनट का समय लेते हुए कांस्य पदक जीता।

राजस्थान सरकार ने प्लेसमेंट एजेन्सियों से संविदा कार्मिक लेने की प्रथा समाप्त करने सहित लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

जयपुर। राजस्थान सरकार ने संविदा कार्मिकों के हितों की रक्षा के लिए राजस्थान लॉजिस्टिकल सर्विस डिलिवरी कॉर्पोरेशन का गठन करने, कार्यप्रभारित कार्मिकों के लिए पदोन्नति के अवसर बढ़ाने, प्लेसमेंट एजेन्सियों से संविदा कार्मिक लेने की प्रथा समाप्त करने, राजस्थान वक्फ नियम-2023 के प्रारूप का अनुमोदन करने, 80 से अधिक सामाजिक संस्थाओं को भू-आवंटन और धरियावद घटना की पीड़िता को सरकारी नौकरी देने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णयों का अनुमोदन किया गया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में रविवार रात मुख्यमंत्री निवास पर हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में ये निर्णय किए गए।

राजस्थान में अब प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिए राजकीय विभागों में संविदा पर कार्मिक लगाने की प्रथा बंद हो जाएगी। अब राज्य सरकार द्वारा सरकारी कम्पनी के रूप में राजस्थान लॉजिस्टिकल सर्विस डिलिवरी कॉर्पोरेशन का गठन करने का मंत्रिमंडल में बड़ा निर्णय लिया गया है। मंत्रिमंडल बैठक में लिए इस निर्णय से विभिन्न राजकीय विभागों,

संस्थानों में कुशल-अकुशल अभ्यर्थियों का पंजीकरण/चयन पारदर्शी तरीके से किया जा सकेगा। संविदा कार्मिकों को शोषण से मुक्त करते हुए उचित पारिश्रमिक उपलब्ध करवाया जाएगा। विभिन्न विभागों में प्रशिक्षित कार्मिक उपलब्ध होंगे। इसमें एक जनवरी 2021 से पूर्व के कार्यरत ठेका कर्मियों को नवगठित सरकारी कम्पनी के माध्यम से आवश्यकतानुसार सीधे ही लिया जाएगा, जिससे उन्हें बिना किसी कटौती के पूर्ण पारिश्रामिक मिलेगा। अभी तक एजेंसियों द्वारा विभिन्न कटौतियां कर कार्मिकों का शोषण किया जा रहा था।

आरएलएसडीसी को कम्पनी अधिनियम-2013 के तहत पंजीकृत किया जाएगा। यह राज्य सरकार के पूर्ण स्वामित्व की कम्पनी होगी। इसमें प्रशासनिक सुधार विभाग के प्रमुख शासन सचिव अध्यक्ष होंगे। साथ ही कार्मिक विभाग के प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग व श्रम विभाग के प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव, वित्त व्यय विभाग के शासन सचिव, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के निदेशक और राज्य सरकार द्वारा नामित व्यक्ति सदस्य के रूप में कार्य करेंगे।

बैठक में मंत्रिमंडल ने केन्द्रीय वक्फ अधिनियम-1995 की धारा 109 के तहत राजस्थान वक्फ नियम-2023 सम्बंधित प्रस्ताव और अधिसूचना के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इन नियमों के लागू होने से वक्फ कार्य अधिक सुगमता, स्पष्टता एवं पारदर्शिता से संपादित किए जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय वक्फ अधिनियम-1995 की धारा 109 के तहत वक्फ कार्यों के संचालन के नियम बनाने की शक्ति राज्य सरकार में निहित है। बैठक में राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा (संशोधन) नियम-2023, राजस्थान अधीनस्थ अभियांत्रिकी (भवन व पथ शाखा) सेवा नियम-1973, राजस्थान अभियांत्रिकी अधीनस्थ सेवा (सिंचाई शाखा) (संशोधित) नियम-2023 तथा राजस्थान अभियांत्रिकी अधीनस्थ सेवा (जनस्वास्थ्य शाखा) (संशोधित) नियम-2023 को मंजूरी दी गई। इस निर्णय से इन विभागों के कार्यप्रभारित कार्मिकों को विभागीय सेवा नियमों की परिधि में लाते हुए पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

यूपी के देवरिया में दिल दहलाने वाली घटना, पूर्व जिला पंचायत सदस्य समेत 6 लोगों की हत्या

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। यहां रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार की सुबह हुई बड़ी वारदात में पूर्व जिला पंचायत सदस्य समेत 6 लोगों की हत्या कर दी गई। घटना भूमि विवाद को लेकर हुई है। सूचना मिलते ही जिले के आधे दर्जन थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। डीएम और एसपी समेत कई अधिकारी गांव में पहुंचकर हालात को संभालने में लगे हैं।

रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर ग्राम पंचायत के लेड़हां टोले के सत्य प्रकाश दुबे के परिवार का गांव के ही अभयपुरा टोले के रहने वाले पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव के परिवार से भूमि विवाद को लेकर रंजिश चल रही थी। इसी मामले को लेकर सोमवार की सुबह प्रेमचंद यादव के साथ दर्जनों लोगों ने लाठी-डंडा और बंदूक लेकर सत्य प्रकाश दुबे

रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर ग्राम पंचायत के लेड़हां टोले के सत्य प्रकाश दुबे के परिवार का गांव के ही अभयपुरा टोले के रहने वाले पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव के परिवार से भूमि विवाद को लेकर रंजिश चल रही थी।

के घर पर हमला बोल दिया। इस घटना में हमलावरों ने सत्य प्रकाश दुबे, उनकी पत्नी समेत पांच की जान ले ली। वारदात में प्रेमचंद यादव के भी मारे जाने की सूचना है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी संकल्प शर्मा ने आसपास के थानों की पुलिस को मौके पर पहुंचने को का निर्देश दिया। घटनास्थल के लिए खुद भी रवाना हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह भी मौके के लिए रवाना हो गए। वारदात को लेकर आसपास के गांव में भी सनसनी फैल गई है।

इनकी हुई है हत्या
सत्यप्रकाश दूबे (54) पुत्र जनार्दन दूबे
किरन दूबे (52) पत्नी सत्यप्रकाश दूबे
सलोनी (18) पुत्री सत्यप्रकाश दूबे
नंदिनी (10) पुत्री सत्यप्रकाश दूबे
गांधी (15) पुत्र सत्यप्रकाश दूबे
प्रेम यादव (50) पुत्र रामभवन यादव

इन्हें किया गया रेफर
अनमोल (8) पुत्र सत्यप्रकाश दूबे

संपादकीय

अंतरिक्ष में भारत

भारतीय विज्ञान के लिए यह बड़ी खुशखबरी है कि भारत से सूर्य की ओर रवाना हुआ आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से आगे निकल गया है और अब सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज प्वाइंट 1 (एल1) की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस यान को सूर्य की बाहरी कक्षा में पहुंचना है, ताकि वह सूर्य की परिक्रमा करते हुए अपने अध्ययन-शोध के कार्य को आगे बढ़ा सके। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन - इसरो ने बताया है कि यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से 9.2 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुका है। यह दूसरी बार है, जब किसी भारतीय यान ने पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र को पार किया है। आदित्य-एल1 से पहले मंगलयान यह कारनामा कर चुका है। पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से परे किसी यान को पहुंचाना एक बड़ी वैज्ञानिक योग्यता है और भारत द्वारा अपनी इस योग्यता को दो-दो बार साबित करना एक बड़ी कामयाबी है। आदित्य-एल1 पर अब दुनिया के दूसरे अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र भी निगाह रखे हुए हैं और यह यान एक के बाद एक बाधाएं पार करता चला जा रहा है। जैसे मंगलयान एक ऑर्बिटर था, ठीक उसी तरह आदित्य-एल1 भी ऑर्बिटर है। याद रखने की बात है कि आदित्य-एल1 ठीक एक महीने पहले 2 सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुआ है और कुल चार महीने में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर अपनी निर्धारित कक्षा में पहुंच जाएगा। आदित्य की चर्चा जहां तेज हो रही है, वहीं चंद्रयान की चर्चा थमने का नाम नहीं ले रही है। 30 सितंबर को चंद्रमा के दूसरी ओर रात होने के साथ ही चंद्रयान-3 मिशन के तहत लैंडर और रोवर के दोबारा शुरू होने की उम्मीद अब बहुत कम हो गई है। वैसे तो चंद्रयान-3 मिशन ने चंद्रमा पर उतरने सहित अपने सभी प्रारंभिक उद्देश्यों को पूरा कर लिया है, लेकिन वैज्ञानिकों को यह उम्मीद थी कि चांद के उस हिस्से में फिर दिन होने पर ये उपकरण काम करना शुरू कर देंगे। चांद के उस हिस्से में पृथ्वी के 14 दिन बराबर लंबी रात होने से पहले वैज्ञानिकों ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को स्लीप मोड में डाल दिया था। जिस जगह पर विक्रम और प्रज्ञान चांद पर उतरे थे, उसे शिव शक्ति बिंदु नाम दिया गया था और वहां सूर्य की रोशनी लौटने के बावजूद संचार को फिर स्थापित करने के प्रयास विफल रहे हैं। इसरो को इस दिशा में और काम करना होगा। आखिर माइनस 200 डिग्री सेल्सियस तापमान में किसी उपकरण को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है? चुनौतियों को दूर करना और अध्ययन को आगे बढ़ाना जरूरी है। ध्यान रहे, पिछले सप्ताह ही एक चीनी वैज्ञानिक ने चंद्रयान-3 की कामयाबी पर सवाल खड़े किए हैं। दरअसल, चीन भारतीय सफलता को पचा नहीं पा रहा है। इसका एक ही उपाय है कि भारत अपनी योग्यता को बार-बार प्रमाणित करे। उसके ईर्ष्यालु आलोचकों को यही मुंहतोड़ जवाब है। बहरहाल, यह अच्छी बात है कि भारतीय वैज्ञानिक पूरे उत्साह के साथ अपने आगे के अभियानों में लगे हुए हैं और उन्हें किसी भी प्रकार के संसाधन का अभाव नहीं होना चाहिए। चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि के ठीक एक महीने बाद इसरो ने अब अपना ध्यान शुक्र की ओर केंद्रित कर दिया है। शुक्रयान के कुछ पेलोड या उपकरण विकास के चरण में हैं। इसके अलावा, मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यान उतारने की परियोजना पर भी काम चल रहा है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

इतिहास के पन्नो में सन 1824 की आजादी की लड़ाई!

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(3 अक्टूबर राजा विजय सिंह व सेनापति कल्याण सिंह

शहादत दिवस पर)

तीन अक्टूबर को सन1824 में लड़े गए कुंजा बहादुरपुर के स्वतंत्रता संग्राम को इतिहास के आइने से झांकते हुए रांघड़ व गुर्जर वीरों की बलिदान व शौर्य गाथा इतिहास के स्वर्णिम पन्नो में दर्ज है। । जनपद हरिद्वार के भगवानपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित है एक छोटा सा गांव है कुंजा । गुर्जर बाहुल्यता का यह गांव कभी एक छोटा सा गढ़ हुआ करता था और यहां के राजा एवं रांघड जाति के सूरमा तथा गुर्जर समाज के बहादुर सैनिकों की बहादुरी के किस्सों के साथ जुड़कर यह कुंजा से कुंजा बहादुरपुर हो गया। 3 अक्टूबर 1824 को तत्कालीन जिला सहारनपुर (वर्तमान में जनपद हरिद्वार के कुंजा क्षेत्र में स्वतन्त्रता-संग्राम की ज्वाला प्रचंड रूप से भड़की थी। आधुनिक हरिद्वार जनपद में रूडकी शहर के पूर्व में लंढौरा नाम का एक कस्बा है जो सन 1947 तक पंवार वंश के राजाओं की राजधानी था । तब लंढौरा रियासत में 804 गाँव थे और यहां के शासको का प्रभाव समूचे पश्चिम उत्तर प्रदेश में था। हरियाणा के करनाल क्षेत्र और गढ़वाल में भी इस वंश के शासकों का व्यापक प्रभाव था। 1803 में अंग्रेजो ने ग्वालियर के सिन्धियाओं को परास्त कर समस्त उत्तर प्रदेश को उनसे युद्ध हर्जाने के रूप में प्राप्त किया था । तब पंवार वंश की लंढौरा, नागर वंश की बहसूमा , भाटी वंश की दादरी व जाटो की कुचेसर आदि ताकतवर रियासतें अंग्रेजो की आँखों में कांटे की तरह चुभने लगी थी। 1813 में लंढौरा के राजा रामदयाल सिंह की मृत्यु होने पर उत्तराधिकारी के प्रश्न पर राज परिवार में गहरे मतभेद उत्पन्न हो गये । इस स्थिति का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने रियासत को भिन्न दावेदारों में बांट दिया और एक बड़े हिस्से को अपने राज्य में मिला लिया। उस समय लंढौरा रियासत का ही एक ताल्लुका था, सहारनपुर-रूड़की मार्ग पर भगवानपुर के निकट स्थित कुंजा-बहादुरपुर । तब इस ताल्लुके मे 44 गाँव थे । सन् 1819 में विजय सिंह यहां के ताल्लुकेदार बने। लंढौरा राज परिवार के निकट सम्बन्धी व साम्राज्यवाद के विरोधी विजय सिंह के मन में अंग्रेजो के खिलाफ बहुत आक्रोश था। वह लंढौरा रियासत के विभाजन को मन से स्वीकार नहीं कर पाए। उधर क्षेत्र के किसानों को शासन कई वर्षों के सूखे के बाद भी बढते राजस्व चुकता करने को सता रहा था जिसने उन्हे संगठित विद्रोह करने के लिए मजबूर कर दिया। अपने विरूद्ध खडे इन संगठनों को अंग्रेज डकैतो का गिरोह कहते थे।एक क्रान्तिकारी संगठन का प्रमुख नेता कल्याण सिंह उर्फ कलुआ गुर्जर था । देहरादून क्षेत्र में उसने अंग्रेजी राज्य की चूलें हिला रखी थी । दूसरे संगठन के प्रमुख कुंवर गुर्जर और भूरा गुर्जर थें। जो तब के सहारनपुर क्षेत्र में अंग्रेजों के लिए सिरदर्द बना हुआ था। इस प्रकार सहारनपुर-हरिद्वार-देहरादून क्षेत्र क्रांति का मंच बन चुका था। ताल्लुकेदार विजय सिंह स्थिति पर नजर रखे हुए थे उन्होने अपनी पहल कर पश्चिम उत्तर प्रदेश के सभी अंग्रेज विरोधी जमीदारों, ताल्लुकेदारों, मुखियाओं, क्रान्तिकारी संगठनों से सम्पर्क स्थापित किया और एक सशस्त्र क्रान्ति के माध्यम से अंग्रेजों को खदेड देने की योजना उनके समक्ष रखी। विजयसिंह के आह्वान पर ब्रिटिश किसानों की एक आम सभा सहारनपुर के भगवानपुर में हुई जिसमें सहारनपुर, हरिद्वार, देहरादून-मुरादाबाद, मेरठ और यमुनापार हरियाणा के किसानों ने भाग लिया। सभा में उपस्थित किसानों ने विजय सिंह की क्रान्तिकारी योजना को स्वीकार कर उनसे ही भावी मुक्ति संग्राम के नेतृत्व का आग्रह किया, जिसे उन्होने स्वीकार कर लिया। कल्याण सिंह उर्फ कलुआ गुर्जर ने विजय सिंह के साथ मिलकर विजय सिंह अंग्रेजों से दो-दो हाथ करने का फैसला किया। इस गदर के आरम्भिक दौर में देहरादून क्षेत्र में सक्रिय कल्याण सिंह ने शिवालिक की पहाडियों में अच्छा प्रभाव स्थापित कर लिया। उसने नवादा गाँव के शेखजमां और सैयाजमां (जो अंग्रेजो के खास मुखबिर थे, और क्रान्तिकारियों की गतिविधियों की गुप्त सूचना अंग्रेजो को देते रहते थे।) पर आक्रमण कर इन गद्दारों की सम्पत्ति जब्त कर ली। इस घटना ने अंग्रेजों के लिये चेतावनी का कार्य किया पर वें कुछ न कर पाए । 30 मई 1824 को कल्याण सिंह ,रायपुर ग्राम से अंग्रेज परस्त गद्दारों को पकड़ कर देहरादून ले गया तथा देहरादून के जिला मुख्यालय के निकट उन्हें कडी सजा दी।कल्याण सिंह के इस दुस्साहस से सहायक मजिस्ट्रेट शोर बुरी तरह बौखला गया स्थिति की गम्भीरता को देखते हुये उसने सिरमोर बटालियन बुला ली। कल्याण सिंह के फौजी दस्ते की ताकत सिरमौर बटालियन से काफी कम थी अतः कल्याण सिंह ने देहरादून क्षेत्र छोड दिया, और उसके स्थान पर सहारनपुर, ज्वालापुर और करतापुर को अपनी क्रान्तिकारी गतिविधियों का केन्द्र बनाया। उसने 7 सितम्बर सन 1824 को करतापुर पुलिस चौकी को नष्ट कर हथियार लूट लिये। पांच दिन बाद उसने पर आक्रमण कर भगवानपुर जीत लिया। सहारनपुर के ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ग्रिन्डल ने घटना की जांच के आदेश कर दिये। जांच में क्रान्तिकारी गतिविधियों के कुंजा के किले से संचालित होने के तथ्य प्रकाश में आये तो ग्रिन्डल ने विजय सिंह के नाम सम्मन जारी कर दिया, जिसे अनदेख कर विजयसिंह ने निर्णायक युद्ध की तैयारी आरम्भ कर दी।एक अक्टूबर सन 1824 को आधुनिक शस्त्रों से सुसज्जित 200 पुलिस रक्षकों की कडी सुरक्षा में सरकारी खजाना ज्वालापुर से सहारनपुर जा रहा था। कल्याण सिंह के नेतृत्व में क्रान्तिकारियों ने कालाहाथा नामक स्थान पर इस पुलिस दल पर हमला कर खजाना लूट लिया और विजय सिंह के साथ मिलकर स्वदेशी राज्य की घोषणा कर दी और अपने नये राज्य को स्थिर करने के लिए अनेक फरमान जारी किये। रायपुर सहित बहुत से गाँवो ने विजयसिंह को राजस्व देना स्वीकार कर लिया अब तो चारों ओर आजादी की हवा चलने लगी और अंग्रेजी राज्य इस क्षेत्र से सिमटता प्रतीत होने लगा। कल्याण सिंह ने स्वतन्त्रता संग्राम को नवीन शक्ति प्रदान करने के उददेश्य से सहारनपुर जेल में बन्द स्वतन्त्रता सेनानियों व सहारनपुर शहर को जेल तोडकर मुक्त करने की योजना बनाई। क्रान्तिकारियों की इस कार्य योजना से अंग्रेजी प्रशासन चिन्तित हो उठा, और बाहर से भारी सेना बुला ली गयी। कैप्टन यंग को ब्रिटिश सेना की कमान सौपी गयी। जल्द ही अंग्रेजी सेना ही कुंजा के निकट सिकन्दरपुर पहुँच गयी। राजा विजय सिंह ने किले के भीतर और कल्याण सिंह ने किले के बाहर मोर्चा सम्भाला। किले में भारतीयों के पास दो तोपें थी। कैप्टन यंग के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना जिसमें मुख्यतः गोरखे थे, कुंजा के काफी निकट आ चुकी थी।03 अक्टूबर को ब्रिटिश सेना ने अचानक हमला कर दिया। भारतीयों ने स्थिति पर नियन्त्रण पाते हुए जमीन पर लेटकर मोर्चा सम्भाल, जवाबी कार्यवाही शुरू कर दी। भयंकर युद्ध छिड गया, दुर्भाग्यवश इस संघर्ष में लडने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों का सबसे बहादुर योद्धा कल्याण सिंह अंग्रेजों के इस पहले ही हमले मे शहीद हो गया पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुंजा में लडे जा रहे स्वतन्त्रता संग्राम का समाचार जंगल की आग के तरह फैल गया ।उधर बहसूमा और दादरी रियासत के राजा भी अपनी सेनाओं के साथ गुप्त रूप से कुंजा के लिए कूच कर गये। बागपत और मुजफ्फरनगर के आस-पास बसे चौहान गोत्र के कल्सियान किसान भी भारी मात्रा में इस स्वतन्त्रता संग्राम में राजा विजययसिंह की मदद के लिये निकल पडे। अंग्रेजों को जब इस हलचल का पता लगा तो उनके पैरों के नीचे की जमीन खिसक गयी। उन्होने बडी चालाकी से कार्य किया और कल्याण सिंह के मारे जाने का समाचार पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फैला दिया। साथ ही कुंजा के किले के पतन और स्वतन्त्रता सैनानियों की हार की झूठी अफवाह भी उडा दी। अंग्रेजों की चाल सफल रही। अफवाहों से प्रभावित होकर अन्य क्षेत्रों से आने वाले स्वतन्त्रता सेनानी हतोत्साहित और निराश होकर अपने क्षेत्रों को लौट गये। तब अंग्रेजों ने बमबारी से किले को उडाने का प्रयास किया। किले की दीवार कच्ची मिटटी की बनी थी जिस पर तोप के गोले विशेष प्रभाव न डाल सकें। परन्तु अन्त में तोप से किले के दरवाजे को तोड गोरखा सेना किले में घुसने में सफल हो गयी। दोनों ओर से भीषण युद्ध हुआ। सहायक मजिस्ट्रेट मिशोर युद्ध में बुरी तरह से घायल हो गया। परन्तु विजय श्री अन्ततः अंग्रेजों को प्राप्त हुई। राजा विजय सिंह बहादुरी से लडते हुए शहीद हो गये। ब्रिटिश सरकार के आंकडों के अनुसार 152 स्वतन्त्रता सेनानी शहीद हुए, 129 जख्मी हुए और 40 गिरफ्तार किये गये। लेकिन वास्तविकता में शहीदों की संख्या काफी अधिक थी। भारतीय क्रान्तिकारियों की शहादत से भी अंग्रेजी सेना का दिल नहीं भरा और युद्ध के बाद उन्होने कुंजा के किले की दीवारों को भी गिरा दिया। ब्रिटिश सेना विजय उत्सव मनाती हुई देहरादून पहुँची, वह अपने साथ क्रान्तिकारियों की दो तोपें, कल्याण सिंह का सिर और विजय सिंह का वक्षस्थल भी ले गये। ये तोपें देहरादून के परेडस्थल पर रख दी गयी। भारतीयों को आंतकित करने के लिए राजा विजय सिंह का वक्षस्थल और कल्याणसिंह का सिर एक लोहे के पिंजरे में रखकर देहरादून जेल के फाटक पर लटका दिया। कल्याण सिंह के युद्ध की प्रारम्भिक अवस्था में ही शहादत के कारण क्रान्ति अपने शैशव काल में ही समाप्त हो गयी। एक प्रकार से कह सकते हैं कि कुंजा बहादुरपुर नाम के इस छोटे से गांव में आजादी के संग्राम में वह यज्ञ आहुति दी जिससे कि आजादी के लिए दिलों में उठ रही ज्वाला को अग्नि ऊर्जा एवं प्रकाश सब मिले पर हद भाग्य की देश सन1857 के संग्राम की जयंती तो मनाता है मगर उन शहीदों को श्रद्धांजलि देना भूल जाता है जिनके लटके हुए शवो की जंजीरों के निशान आज भी रुड़की में सुनहरा गांव के बरगद के पेड़ पर अभी तक भी अंकित है समय के साथ यह निशान भी मिट जाएंगे लेकिन कुंजा के दिल का घाव तो तभी भर पाएगा जब यहां के राजा विजय सिंह उनके सेनापति कल्याण सिंह उर्फ कलवा तथा भूरा एवं अनाम शहीदों को वह सम्मान मिल पाएगा जिसके वे हकदार हैं।

(लेखक अमर शहीद जगदीश वत्स के भांजे व वरिष्ठ पत्रकार है)

घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने की कवायद

उमेश चतुर्वेदी

देश की सुरक्षा को चाकचौबंद बनाने में भारतीय वायुसेना की महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि विगत में भारतीय वायुसेना की निर्भरता विदेशी तकनीक पर ज्यादा रही है लेकिन अब एयरफोर्स लगातार स्वदेशी तकनीक पर निर्भर होती जा रहा है। भारतीय सशस्त्र बलों का उद्देश्य अपने लिए बेहतर सैन्य क्षमता हासिल करना है, जिससे देश सीमा पार से मिलने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सके। भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं की वजह से रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक के आधार पर ताकतवर बनने की तैयारी में है। इस स्वदेशीकरण का असर दिख भी रहा है। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ़ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट ने साल 2022 की ग्लोबल एयर पॉवर्स रैंकिंग जारी की थी, जिसमें भारतीय वायुसेना को दुनिया की छठी सबसे मजबूत वायु सेना के रूप में स्थान दिया गया है। इस रैंकिंग में विमानों की संख्या और उनकी लड़ाकू क्षमता को आधार बनाया गया है। भारतीय वायुसेना को शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए लड़ाकू प्लेटफार्मों, हेलीकॉप्टरों, रात्रि दृष्टि उपकरणों और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों व बुनियादी ढांचे की कमियों को मजबूत करने की भी जरूरत है। जिसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के जरिये देश में संयुक्त उद्यम लगाकर हासिल किया जा रहा है। इसमें रूस, इस्राइल, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण हो रहा है। इससे भारत को अपने घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने में मदद मिल रही है। भारतीय वायु सेना ने हाल ही में एक घोषणा की जिसके मुताबिक, स्वदेशी एयरोस्पेस क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए करीब 100 से अधिक भारत-निर्मित एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू जेट खरीदने की योजना लागू की जा रही है। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने इसकी घोषणा स्पेन में तब की, जब उन्होंने पहला सी-295 परिवहन विमान प्राप्त किया। वायुसेना प्रमुख के मुताबिक, मिग 23 और मिग -27 विमानों को नियमानुसार बदलने के लिए जरूरी है कि देश के पास एलसीए श्रेणी के पर्याप्त विमान हों। इसलिए, 83 एलसीए मार्क 1ए के अलावा लगभग 100 और विमानों के लिए मामला आगे बढ़ा रहे हैं। भारतीय वायुसेना प्रमुख ने स्वदेशी फाइटर जेट कार्यक्रम को लेकर पिछले महीने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड समेत सभी संबंधित पक्षों के साथ समीक्षा बैठक की थी। उस समय, इनमें से लगभग 100 अतिरिक्त विमान खरीदने का निर्णय लिया गया था। आने वाले दिनों में वायुसेना के पास 40 एलसीए, 180 से ज्यादा एलसीए मार्क-1ए और कम से कम 120 एलसीए मार्क-2 हवाई जहाज होंगे। एलसीए मार्क1ए के लिए आखिरी ऑर्डर 83 विमानों के लिए था और पहला हवाई जहाज फरवरी 2024 के आसपास वितरित किया जाएगा। एलसीए मार्क 1ए तेजस विमान का उन्नत रूप है जिसमें स्वदेशी सामग्री 65 प्रतिशत से भी अधिक होगी। करीब एक साल पहले जोधपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा

डिजाइन और विकसित किए गए 'प्रचंड' लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) को भारतीय वायु सेना में औपचारिक रूप से शामिल किया था। दरअसल, स्वदेशी डिजाइन और विकास के प्रति भारतीय वायुसेना द्वारा जताया गया भरोसा और समर्थन मारुत, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, आकाश मिसाइल सिस्टम, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर जैसे उदाहरणों से स्पष्ट है। स्वदेश निर्मित एलसीएच आधुनिक युद्ध की आवश्यकताओं और संचालन की विभिन्न परिस्थितियों में आवश्यक गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है। यह आत्म-सुरक्षा करने, विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद ले जाने और इसे तुरंत क्षेत्र में पहुंचाने में सक्षम है। एलसीएच सेना और वायु सेना दोनों के लिए उपयोगी है। एलसीएच एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित पहला स्वदेशी मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है। जमीनी हमले और हवाई युद्ध की क्षमता है। आधुनिक स्टील्थ विशेषताएं, मजबूत कवच सुरक्षा और रात में हमला करने की क्षमता है। आज भारतीय सेना न सिर्फ स्वदेशी तकनीक आधारित शस्त्रों और सहयोगी रक्षा उत्पादनों में सक्रिय है, बल्कि रक्षा उत्पादन का कारोबार भी बढ़ाया हुआ है। साल 2027 तक देश की रक्षा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा खुद उत्पादित करने और इसके जरिये विदेशी मुद्रा की बचत का लक्ष्य रखा गया है। स्वदेशी रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने इस दिशा में जहां शोध और तकनीकी विकास पर फोकस किया,वहीं रक्षा उद्योग के लिए कार्यरत भारत डायनेमिक्स लिमिटेड समेत सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा उत्पादन कंपनियों ने अपने कामकाज की शैली में बदलाव लाने की दिशा में तेजी दिखाई। ऐसे में रक्षा प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर भी फोकस हुआ। पिछले पांच वर्षों में सरकार ने प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के साथ 200 से अधिक रक्षा अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हालांकि अभी अधिकांश प्रसंस्करण के अपेक्षाकृत प्रारंभिक चरण में हैं। यह भी कि दुनिया के शीर्ष 100 सबसे बड़े हथियार उत्पादकों में से चार कंपनियां भारत की हैं जो सभी कंपनियां सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम हैं और घरेलू आयुध मांग के बड़े हिस्से को पूरा करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर है।

विचार मंथन

कर्ज के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं राज्य

(लेखक - सनत जैन)

अधिकांश राज्य कर्ज के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। हर साल राज्यों पर कर्जा बढ़ रहा है। राजस्व का बड़ा हिस्सा ब्याज के रूप में राज्यों को चुकाना पड़ रहा है। कर्ज़ अदाएगी में भी राज्यों की बहुत बड़ी राशि सरकारी खजाने से जा रही है। जिसके कारण अब विकास कार्यों पर इसका असर स्पष्ट रूप से पड़ने लगा है। मध्य प्रदेश सरकार के ऊपर भी लगातार कर्ज बढ़ रहा है। मिजोरम सरकार ने तो हद कर दी। मिजोरम सरकार ने पूरे साल में जो कर्ज की सीमा थी, उससे डेढ़ गुना ज्यादा कर्ज अभी ले लिया है। उसके बाद तेलंगाना का नाम आता है। तेलंगाना भी बड़े पैमाने पर कर्ज ले रहा है। तीसरा नंबर मध्य प्रदेश राज्य का है। जिसने अप्रैल वहां से लेकर अगस्त माह तक 5500 करोड रुपए का कर्ज लिया है। दिसंबर 2023 की तिमाही के पहले 15000 करोड रुपए का कर्ज सरकार और लेने जा रही है। मध्य प्रदेश में इसी वर्ष नवंबर माह में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव के लिए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्य कर्ज लेकर चुनाव कराने के लिए विवश हो रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में अ धिकांश राज्यों के ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता ही चला जा रहा है। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं। उन राज्यों की सरकारों ने कई लोक लोभावन योजनाएं घोषित की हैं। उसके लिए उन्हें अ ति रिक्त रा शि की जरूरत है। सरकारी खजाने में राशि उपलब्ध नहीं है। इसके बाद भी चुनाव जीतने के लिए चुनाव वाले राज्यों में सरकार रेव डियां बाट रही हैं। चुनाव के पहले ही लोगों को राहत पहुंचने के लिए सरकार कर्ज लेने में कोई कुताही नहीं बरत रही हैं। पिछले एक दशक में राज्यों ने नए-नए टैक्स लगाए हैं। राज्य सरकारों की पिछले वर्षों में जीएसटी की आय भी तेजी के साथ बढी है। इसके बाद भी राज्य सरकारें बड़े पैमाने पर कर्ज ले रहे हैं। राज्यों की आर्थिक हालात दोनों दिन खराब होती जा रही है। सरकारी खजाने से कर्ज की अदाएगी और ब्याज के रूप में बहुत बड़ी राशि खजाने से खर्च करनी पड़ रही है। जिसके कारण सभी राज्यों का वित्तीय संकट दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। यह अकेले एक राज्य के बारे में नहीं कहा जा सकता है। सभी राज्यों की आर्थिक स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। गुजरात कर्नाटक और महाराष्ट्र ऐसे राज्य हैं। जिन्होंने इस वर्ष कोई नया कर्ज नहीं लिया है। इनके अलावा लगभग सभी राज्य कर्ज के मकडजाल में फंस चुके हैं। राज्यों की आर्थिक स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। जीएसटी और अन्य करों के रूप में राज्य अपने नागरिकों पर पहले ही बहुत टैक्स लगा चुके हैं। पेट्रोल डीजल में बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं से टैक्स की वसूली की जा रही है। इसके बाद भी राज्यों की आर्थिक स्थिति खराब होना और लगातार कर्ज का बोझ बढ़ना चिंताजनक है। ऋण के मामले में राज्य और केंद्र सरकार एफआरबीएम एक्ट के प्रावधानों का भी पालन नहीं कर रहे हैं। 15वें वित्त आयोग ने वर्ष 2021 से 2026 के लिए जो रोड मेप तैयार किया था। उसका पालन नहीं करते हुए केन्द्र एवं राज्य ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। कोविड काल के दौरान इसमें संशोधन किया गया था। उसके बाद से तय सीमा से अ धिक कर्ज लेने की व्यवस्था चली आ रही है। राज्यों द्वारा मांग की जा रही है कि लोक ऋण की सीमा को बढ़ाया जाए। वर्तमान में जीडीपी का 5.9 फ़ीसदी केंद्र सरकार के लिए और राज्यों के लिए तीन फ़ीसदी निर्धारित है। राज्यों द्वारा अपनी निर्धारित सीमा से अधिक ऋण लेने के कई राज्यों के मामले सामने आ चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा लगातार राज्यों को समझाइए दी जा रही है, कि वह केंद्र से मिलने वाली राशि पर निर्भर नहीं रहे। राज्यों को अपनी आय स्वयं बढ़ानी होगी। अन्यथा वह वित्तीय संकट में फंस सकते हैं। 2003 के बाद से लगातार राज्यों की वा र्षिक आय बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। राज्यों का प्रशास निक एवं लोकलुभावन योजनाओं का खर्च बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने केन्द्रीय योजनाओं में राज्य सरकारों का अंशदान बढ़ा दिया है। जिसके कारण भी राज्य सरकार वित्तीय संकट में फंस रहे हैं। जिन राज्यों में डबल इंजन की सरकारें है। उन राज्यों की परेशानी भी डबल है। केंद्र सरकार से राज्यों को अपेक्षाकृत आर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही है। केंद्र की योजनाओं को चलाने के लिए राज्यों के पास पर्याप्त धन खजाने में उपलब्ध नहीं है। जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, उन राज्यों में मुफ्त की रेवड़ी बांटने का काम हो रहा है। जिसके कारण राज्यों का वित्तीय संतुलन पूरी तरह से गड़बड़ा गया है। पिछले वर्षों में आम जनता के ऊपर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स बढ़ाए हैं।

एलएंडटी की ऑर्डर बुक मजबूतः सीएमडी

नई दिल्ली । लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की ऑर्डर बुक मजबूत है, बाजार पूंजीकरण और शेयर की कीमत अपने उच्चतम स्तर पर है। कंपनी के नवनियुक्त चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एसएन सुब्रमण्यन ने कर्मचारियों से यह बात कही। सुब्रमण्यन ने साथ ही उनसे सफलता के लिए उत्सुक रहने को भी कहा। सीएमडी का कार्यभार संभालने के बाद कर्मचारियों को लिखे अपने पहले पत्र में सुब्रमण्यन ने कहा कि कंपनी ऐसे काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे भारत और दुनिया दोनों को गर्व हो। उन्होंने पत्र में लिखा कि हमें प्रौद्योगिकी की ताकत पर भरोसा करना चाहिए और अपनी उत्पादकता तथा दक्षता में सुधार लाने के लिए इसकी जबरदस्त क्षमता का उपयोग करते रहना चाहिए। उन्होंने सुरक्षित तरीके से काम करने और समय पर काम पूरा करने की जरूरत पर जोर दिया। सुब्रमण्यन ने कहा कि डिजिटलीकरण व्यवसाय के हर पहलू को प्रभावित कर रहा है, और इसलिए भविष्य के लिए तैयार रहना होगा।

जापान की अर्थव्यवस्था को लेकर आशान्वित हैं विनिर्माताः सर्वे

तोक्यो । जापान के बड़े विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा में जुलाई-सितंबर की तिमाही में सुधार हुआ है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जबकि विनिर्माता देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आशान्वित दिख रहे हैं। जापान के केंद्रीय बैंक द्वारा सोमवार को जारी एक सर्वे में यह निष्कर्ष निकाला गया है। बैंक ऑफ जापान के तिमाही सर्वे से पता चलता है कि सितंबर तिमाही में देश के प्रमुख विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा प्लस 9 रही है। यह जून में प्लस 5 थी। वहीं प्रमुख गैर-विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा चार अंक बढ़कर प्लस 27 हो गई है यह लगातार छठी तिमाही है जबकि गैर-विनिर्माताओं की धारणा में सुधार हुआ है। इसे पिछले तीन दशक का सबसे सकारात्मक नतीजा भी बताया जा रहा है। सर्वे प्रत्येक तिमाही में किया जाता है। इसमें कारोबारी धारणा को सकारात्मक बताने वाली कंपनियों की संख्या में से कारोबारी धारणा को नकारात्मक बताने वाली कंपनियों की संख्या घटाकर कारोबारी धारणा का आकलन किया जाता है।

जीडीपी वृद्धि दर 2023-24 में 6.5% रहेगीः राजीव कुमार

नई दिल्लीः नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले नौ साल में जो सुधार किए हैं, उससे देश की व्यापक आर्थिक स्थिति को फायदा हो रहा है। कुमार ने यह भी कहा कि भारत को आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की जरूरत है और देश ऐसा करने में सक्षम है। देश की युवा आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करने और अपने कार्यबल के लिए पर्याप्त नौकरियां पैदा करने के लिए आर्थिक वृद्धि को इस स्तर पर लाना जरूरी है। उन्होंने कहा, मेरा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी। मुझे लगता है कि हम अगले कुछ साल इस वृद्धि दर को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत की जीडीपी वृदि दर 2022-23 में 7.2 फीसदी रही थी, जो 2021-22 के 9.1 फीसदी से कम है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रह सकती है। कुमार ने आगे कहा कि भारत का चालू खाता घाटा संभाला जा सकता है और देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11 महीने के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जारी है।

अडाणी ने मुंबई में अपना पहला 400 केवी ग्रिड चालू किया

मुंबई।

देश की वाणिज्यिक राजधानी में बिजली की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने मुंबई की पहली 400-केवी ग्रिड लाइन शुरू की है। एक अधिकारी ने यहां सोमवार को यह जानकारी दी।खारघर विक्रोली ट्रांसमिशन लिमिटेड की नई लाइन से मौजूदा ट्रांसमिशन और वितरण क्षमता बढ़ेगी और शहर में 1000 मेगावाट बिजली उत्पादन बढ़ेगा। शहर में हाल के वर्षों में 12 अक्टूबर 2020 और 27 फरवरी 2022 को दो बड़ी ग्रिड विफलताएँ देखी गईं, जिससे आपूर्ति कई घंटों के लिए ठप हो गई। इस पर राजनीतिक हंगामा भी हुआ। एक अधिकारी ने कहा, खारघर-विक्रोली लाइन भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को कम करने के समाधान के रूप में मुंबई शहर में अतिरिक्त 1,000 मेगावाट विश्वसनीय बिजली लाएगी। इस परियोजना के चालू होने से, मुंबई को अपनी नगरपालिका सीमा के भीतर 400 केवी ग्रिड मिल गया है, जिससे इसकी बिजली ग्रिड के भीतर आयात क्षमता में वृद्धि हुई है और विश्वसनीयता और स्थिरता में सुधार हुआ है। इस परियोजना की योजना एक दशक से अधिक समय से चल रही थी और शहर के बिजली आपूर्तिकर्ताओं के बीच कथित प्रतिद्वंद्विता सहित विभिन्न कारणों से इसमें देरी हुई। एईएसएल ने लाइन बिछाने के दौरान कई चुनौतियों का सामना किया, मुख्य रूप से कठिन इलाकों में। लेकिन प्रौद्योगिकी और नवाचार के उपयोग से इन पर काबू पा लिया गया। इनमें ठाणे क्रीक में फ्लोटिंग बार्ज पर भारी रिग्स का उपयोग करके निर्मित छह टावर शामिल हैं और शहरी क्षेत्रों में, विशेष क्षैतिज विन्यास टावरों को अपनाकर कुछ स्थानों पर ऊंचाई से संबंधित प्रतिबंधों को दूर किया गया है। सूची में अगली एक और प्रमुख बिजली लाइन है - आगामी कुडु-आरे लाइन, जो शहर में 1000 मेगावाट बिजली लाने में मदद करेगी।वर्तमान में मुंबई में एईएसएल के लगभग 31.50 लाख उपभोक्ता, टाटा पावर के लगभग सात लाख उपभोक्ता और बेस्ट के 10.50 लाख उपभोक्ता पूरा करते हैं, इसके अलावा आबादी का एक छोटा सा हिस्सा महाराष्ट्र राज्य बिजली बोर्ड के ग्राहक भी हैं।

सरकार ने यूआईडीएआई के सीईओ अमित अग्रवाल का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने यूनिक आईडेंटिफिकेशन ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ के रूप में अमित अग्रवाल के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति कार्यकाल को 2 नवंबर 2023 से एक वर्ष के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। यानी 2 नवंबर 2024 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, अग्रवाल (यूआईडीएआई) के सीईओ रहेंगे। अग्रवाल 1993 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। एसीसी ने कानून मंत्रालय के विधायी विभाग में सचिव रीता वशिष्ठ को 2 अक्टूबर 2023 से उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक यानी 31 जुलाई 2025 या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन में अस्थायी रूप से अपग्रेड कर कानून मंत्रालय के केंद्रीय एजेंसी अनुभाग के प्रभारी के रूप में नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी।

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल महंगा, राजस्थान में भी तेजी

- ब्रेंट क्रूड 92.40 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें सपाट बनी हुई हैं। डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 91.72 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 92.40 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 49 पैसे महंगा होकर बिक रहा है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 31 पैसे का इजाफा दिख रहा है। महाराष्ट्र और राजस्थान में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में उछाल दिख रहा है। दूसरी और पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 42 पैसे और डीजल 39 पैसे सस्ता बिक रहा है। गोवा, गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपए और डीजल 94.32 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सितंबर में जीएसटी कलेक्शन ₹1.60 लाख करोड़ के पार, वित्त वर्ष 2023-24 में ऐसा चौथी बार

बजनेस डेस्कः

जीएसटी से कमाई के मामले में सितंबर महीना शानदार साबित हुआ है। सितंबर महीने के दौरान जीएसटी कलेक्शन एक बार फिर से 1.60 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष में अब तक ऐसा चार बार हो चुका है, जब किसी एक महीने में कलेक्शन का आंकड़ा 1.60 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा हो। वहीं हर महीने सालाना आधार पर जीएसटी कलेक्शन में ग्रोथ का ट्रेंड भी बना हुआ है।

वित्त मंत्रालय ने दिया ये आंकड़ा

वित्त मंत्रालय के द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर महीने में जीएसटी से सरकारी खजाने को 1,62,712 करोड़ रुपए मिले हैं, जो साल भर पहले यानी सितंबर 2022 की तुलना में 10 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जीएसटी से सरकार को अब तक 9,92,508 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। इस तरह चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार का औसत मासिक कलेक्शन अब तक 1.65 लाख करोड़ रुपए है, जो सालाना आधार पर 11 फीसदी की ग्रोथ है।

हर महीने बढ़ रहा कलेक्शन

इससे पहले अगस्त महीने के दौरान सरकार को जीएसटी से 1,59,069 करोड़ रुपए मिले थे। यह 6 महीने में पहली बार 1.60 लाख करोड़ रुपए से कम का कलेक्शन था। उससे पहले सरकार को मार्च 2023 के बाद हर महीने 1.60 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन हो रहा था। हालांकि साल भर पहले की तुलना में देखें तो अगस्त में भी जीएसटी कलेक्शन बेहतर ही रहा था, क्योंकि अगस्त 2022 की तुलना में कलेक्शन में 11 फीसदी की तेजी आई थी।

कच्चे तेल की तेजी से चालू खाता घाटा, रुपया दबाव में

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में देखने को मिला है, जिससे भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ने और आने वाले समय में रुपये पर और अधिक दबाव की आशंका बढ़ गई है। देश अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है और वैश्विक कीमतों में किसी भी वृद्धि से आयात खर्च बढ़ जाता है। चूंकि कच्चा तेल खरीदने के लिए बड़ा भुगतान डॉलर में करना पड़ता है, इसलिए अमेरिकी मुद्रा की तुलना में रुपया कमजोर होता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड जुलाई-सितंबर की तिमाही में 29 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद सोमवार को 91 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया, जो लगभग दो दशकों में सबसे बड़ी तीसरी तिमाही बढ़त है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड पहले से ही 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास मँडरा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण डॉलर की मांग बढ़ने से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 83 रुपये के निचले स्तर पर आ गई है। पिछले सप्ताह जारी आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) अप्रैल-जून तिमाही में सात गुना बढ़कर 9.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि इससे पहले की तिमाही में यह आंकड़ा 1.3 अरब डॉलर था। तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और वैश्विक बाजारों में मांग में गिरावट के कारण निर्यात में कमी आई है जिससे इसके और बढ़ने की संभावना है। वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही के लिए कैड जीडीपी का 1.1 प्रतिशत था। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की प्रमुख अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा के अनुसार, तेल की ऊंची कीमतों, उच्च कोर आयात और सेवाओं के निर्यात में और मंदी के कारण जुलाई-सितंबर तिमाही में सीएडी का पर्याप्त विस्तार जीडीपी के 2.4 प्रतिशत तक हो जाएगा।आगे चलकर बहुत कुछ वैश्विक बाज़ारों में तेल की कीमतों पर निर्भर करेगा। आरबीआई रुपये को सहारा देने के लिए बाजार में डॉलर जारी कर रहा है, लेकिन इससे भारतीय मुद्रा की गिरावट को रोका नहीं जा सका है। इससे सितंबर में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी गिरावट आई है। आरबीआई द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि 22 सितंबर तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरे सप्ताह गिरकर 590.7 अरब डॉलर के चार महीने के निचले स्तर पर आ गया। तीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 8.2 अरब डॉलर घट गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट चिंता का कारण है क्योंकि आरबीआई के पास अपने बाजार हस्तक्षेप के माध्यम से रुपये में अस्थिरता रोकने के लिए कम गुंजाइश बची है।

2024 में ग्लोबल लेवल स्तर पर डिजिटल आईडी वेरिफिकेशन 70 बिलियन से अधिक हो जाएगी

नई दिल्ली। डिजिटल आइडेंटिटी वेरिफिकेशन की संख्या 2024 में 70 बिलियन से ज्यादा हो जाएगी, जो पिछले साल की 61 बिलियन की संख्या से 16 प्रतिशत अधिक है। एक नई रिपोर्ट सोमवार को सामने आई। जुनिपर रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, अकाउंट टेकओवर और कार्ड-नॉट-प्रेजेंट फ्रॉड से निपटने के लिए बिजनेस द्वारा मजबूत बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन मैथर्ड को अपनाने से यह वृद्धि हो रही है। इस तरह की धोखाधड़ी के खिलाफ बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन मैथड अत्यधिक प्रभावी हैं, स्पूफिंग को रोकने के लिए जीवंतता जांच का उपयोग किया जाता है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2024 में 37 बिलियन के साथ बैंकिंग में चेक की सबसे बड़ी मात्रा देखी जाएगी, जो ग्लोबल आइडेंटिफिकेशन मार्केट के 53 प्रतिशत के बराबर है। लेखक माइकल ग्रीनवुड ने कहा, चेहरे की पहचान की असली ताकत अतिरिक्त जांच हैं, जिन्हें जोड़ा जा सकता है। चेहरे की पहचान के शीर्ष पर उम्र का अनुमान लगाने से वेरिफिकेशन को ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वेरिफिकेशन सिस्टम जो एक चरण में कई जांच कर सकती हैं, लिगेसी सिस्टम की तुलना में काफी मजबूत यूजर एक्सपीरियंस प्रदान करती हैं, और अगले कुछ सालों में आम हो जाएंगी।

बिक्री में मारुति स्विफ्ट देश में नंबर-1 कार

-अगस्त 2023 में स्विफ्ट की 18,653 यूनिट्स बिकी

नई दिल्ली ।

मारुति स्विफ्ट कार सर्वाधिक बिक्री के मामले में देश की नंबर-1 कार रही। बिक्री के मामले में स्विफ्ट भले ही सबसे ऊंचे पायदान पर है लेकिन सुरक्षा के मामले में कार का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। अगस्त 2023 में स्विफ्ट की 18,653 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। अगर सेफ्टी की बात करें तो स्विफ्ट को ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में केवल 1-स्टार ही रेटिंग ही मिला है। मारुति स्विफ्ट की कीमत 5.99 लाख रुपये से शुरू होकर 9.03 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। कई लोगों को फीचर्स और परफॉरमेंस के लिहाज से स्विफ्ट काफी पसंद आती है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें सेफ्टी और ड्राइविंग एक्सपीरियंस के मामले में यह कार पसंद नहीं है। अगर आप एक नई कार खरीदना चाहते हैं और आपका बजट 6 से 8 लाख रुपये का है तो यहां हम आपको बता रहे हैं एक ऐसी एसयूवी के बारे में जो आपको सभी मामलों में खूब पसंद आएगी। भारत में टाटा पंच लॉन्च होने के बाद से ही लोकप्रिय हो गई थी। इस कार का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी बढ़िया बिल्ड क्वालिटी और माइलेज है। पंच की कीमत 6 लाख रुपये से शुरू होकर 9.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। इतनी कीमत पर मार्केट में कोई ऐसी गाड़ी नहीं है जो 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है। हैचबैक की कीमत में उपलब्ध होने के वजह से पंच अपने सेगमेंट की एसयूवी गाड़ियों को टक्कर तो देती ही है, साथ में इसका मुकाबला उतनी ही कीमत में आने वाली हैचबैक कारों से भी होती है। पंच में बेहतर स्पेस और कम्फर्ट दोनों मिलता है और स्पेस के मामले में भी यह शानदार है। टाटा पंच साइज में भले ही छोटी दिखती है लेकिन इसमें 5 लोग आसानी से सफर कर सकते हैं। इसमें 366 लीटर का बूट स्पेस भी मिलता है। इसमें सेफ्टी के लिहाज से डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर डिफॉगर्स, रियर पार्किंग सेंसर, रियर-व्यू कैमरा और इसोफिक्स एंकर जैसे फीचर्स मिलते हैं।फीचर्स की बात करें तो, पंच में 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटो एयर कंडीशनिंग, ऑटोमैटिक हेडलाइट्स, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।

सितंबर में टाटा मोटर्स की घरेलू बिक्री बढ़कर 80,633 इकाई पर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन कंपनी टाटा मोटर्स की कुल घरेलू बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर 82,023 इकाई पर पहुंच गई है। कंपनी ने सितंबर 2022 में 80,633 इकाइयां बेची थीं।

टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी की यात्री वाहन खंड में घरेलू बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत गिरावट के साथ 44,809 इकाई रही। सितंबर 2022 में यह 47,654 इकाई थी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कुल बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 57 प्रतिशत बढ़कर 6,050 इकाई रही, जो पिछले साल सितंबर में 3,864 इकाई थी।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में टाटा मोटर्स ने 1,38,939 कारों और एसयूवी की तिमाही बिक्री दर्ज की। कंपनी ने कहा कि सितंबर 2023 में उसकी कुल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 39,064 इकाई रही, जबकि सितंबर 2022 में यह 34,890 इकाई थी। कंपनी की वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में छह प्रतिशत बढ़कर 99,178 रही।

बजाज प्लेटिना 110 है धांसू बाइक

70 किमी देती है माइलेज, ऑफिस के लिए है बढिया

नई दिल्ली ।

हम आपको एक ऐसी बाइक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे खरीदने में न ही आपको ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे और न ही ये बाइक आपसे ज्यादा पेट्रल और मेंटेनेंस का खर्च मांगती है। इस बाइक की माइलेज भी इतनी धांसू है। आपका ऑफिस चाहे कितना भी दूर हो ये बाइक आपका खर्च नहीं बढ़ाएगी। यहां हम आपको बता रहे हैं बजाज प्लेटिना 110 के बारे में जो मार्केट में एक लोकप्रिय बाइक है। अपनी राइड क्वालिटी, इंजन और जबरदस्त माइलेज के दम पर आज भी ये बाइक खूब बिक रही है। वैसे तो ये बाइक 110 सीसी की है, लेकिन कंपनी ने इसमें कुछ ऐसे फीचर्स दे दिए हैं जो महंगी बाइक्स में मिलते हैं।

प्लेटिना 110 की एक्स-शोरूम कीमत 70,400 रुपये से 79,821 रुपये के बीच है।बजाज प्लेटिना अपनी फ्यूल एफिसिएंट इंजन के लिए जानी जाती है। यह कमाल इसके 115.45 सीसी के डीटीएस-ढ्ढ इंजन का है जो 8.48 बीएचपी का अधिकतम पॉवर और 9.81 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ ही बाइक में 5-स्पीड गियरबॉक्स और नाइट्रॉक्स सस्पेंशन मिलता है जिससे इसकी राइड क्वालिटी और भी शानदार हो गई है। बजाज प्लेटिना 110 सीसी की पहली ऐसी बाइक है जिसमें कंपनी एंटी-लॉक ब्रैकिंग सिस्टम दे रही है। बता दें कि एबीएस एक महत्वपूर्ण सेफ्टी फीचर है और वर्तमान में केवल 150सीसी बाइक्स में ही दी जा रही है। लेकिन प्लेटिना 110 एकलौती ऐसी बाइक है जिसमें यह फीचर मिल रहा है। मालूम हो कि इन दिनों शहरों में ट्रैफिक की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। घर से

त्योहारी सीजन में बढ़ती मांग के बीच कारों, एसयूवी के दाम बढ़े

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में बढ़ती मांग के बीच ऑटोमोबाइल निर्माताओं ने 1 अक्टूबर से कारों और एसयूवी के दाम बढ़ा दिये हैं जिससे उपभोक्ताओं को अब इनके लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने थार, स्कॉर्पियो, एक्सयूवी 300 और एक्सयूवी 700 मॉडल की कीमतें 81 हजार रुपये तक बढ़ा दी हैं, जबकि दक्षिण कोरियाई ऑटो प्रमुख किआ ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टोस और बहुउद्देशीय वाहन कैरेंस की कीमत 50 हजार रुपये बढ़ाई है। देश की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी हुंडई ने अपनी एसयूवी वेन्यू और टक्सन की कीमतों में 48 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की है। जापानी कार निर्माता होंडा ने अपने लोकप्रिय सिटी और अमेज़ मॉडल की कीमत में लगभग आठ हजार रुपये की मामूली बढ़ोतरी की है।

कार निर्माता दावा करते रहे हैं कि पिछले साल लागत बढ़ने के बावजूद उन्होंने उसका बोझ ग्राहकों पर नहीं डालने का फैसला किया। स्पष्ट रूप से, चूंकि इन लोकप्रिय मॉडलों की मांग स्थिर बनी हुई है, उनमें से कुछ के पास ग्राहकों की प्रतीक्षा सूची भी है। किआ इंडिया ने कहा कि कंपनी ने शुरुआती कीमतों को एक परिचयात्मक पेशकश के रूप में पेश किया था और अब उसके सेल्टोस के मामले में छह महीने के बाद संशोधन किया गया है। कार निर्माता एक-दूसरे की कीमतों पर नजर रखते हैं क्योंकि वे अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में बाजार हिस्सेदारी खोना नहीं चाहते हैं। इसलिए, कीमतें बढ़ने पर उनके लिए एक-दूसरे का अनुसरण करना असामान्य नहीं है।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय हॉकी टीम

- बांग्लादेश को 12-0 से हराया

हांगझोउ (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की जीत का सिलसिला जारी है। भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह की हैट्रिक से एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने पूल ए के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 12-0 से हराया। भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही अपने पूल में शीर्ष पर बनी हुई है। भारतीय टीम ने पूल चरण के अब तक के अपने पांच मैचों में 58 गोल दागे है जबकि उसे केवल पांच गोल खाने पड़े हैं। अब तक भारतीय टीम ने अपने सभी मुकाबले बड़े अंतर से जीते हैं। पहले मैच में उसने उजबेकिस्तान को 16-0 से वहीं दूसरे मैच में सिंगापुर को 16-1 जबकि पाकिस्तान को 10-2 और जापान को 4-2 से हराया था। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत ने दूसरे चौथे और 32वां मिनट में जबकि मनदीप सिंह ने 18 वें, 24वें और 46वें मिनट में तीन-तीन गोल किये। वहीं अभिषेक ने 41वां और 57वां गोल दागा। अमित रोहिदास ने 28वां, ललित उपाध्याय ने 23वां, गुरजंत सिंह ने 56वां और नीलाकांता शर्मा ने 47वां ने एक एक गोल किए। वहीं बांग्लादेश की टीम एक भी गोल नहीं कर पायी।

एशियाई खेल : भारत की सुतीर्था और अहिका को टेबल टेनिस में कांस्य

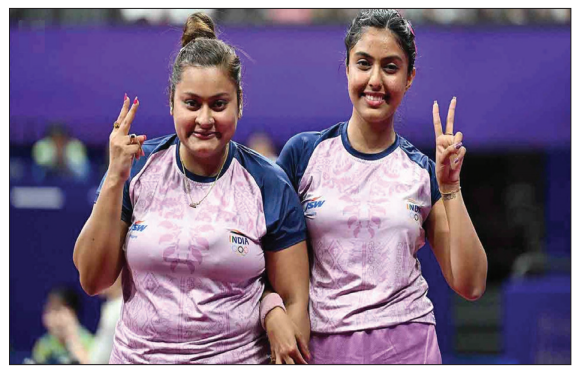

हांगझोऊ (एजेंसी)। भारत की सुतीर्था मुखर्जी और अहिका मुखर्जी को एशियाई खेलों की टेबल टेनिस के सेमीफाइनल में हार के कारण कांस्य पदक ही मिल पाया है। सुतीर्था और अहिका को इस स्पर्धा के महिला युगल सेमीफाइनल में उत्तर कोरियाई जोड़ी के हाथों कड़े मुकाबले में 3-4 से हार के साथ ही तीसरा स्थान ही मिल पाया। सुतीर्था और अहिका ने 2-3 से शुरुआत में पिछड़ने के बाद वापसी की पर सुगियोंग पाक और सुयोग चा की कोरियाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में जीत दर्ज की। इस जोड़ी ने एक घंटे तक चले मुकाबले को 7-11, 11-8, 7-11, 11-8, 11-9, 5-11, 11-2 से जीता। इससे पहले सुतीर्था और अहिका ने क्वार्टर फाइनल में चीन की चेन मेंग और यिडि वांग को हराया था। इस मुकाबले के साथ ही टेबल टेनिस में भारत की चुनौती समाप्त हो गई।

एशियाई खेलों की रोलर स्केटिंग में भारतीय पुरुष और महिलाओं ने जीते कांस्य पदक

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को एशियाई खेलों के नौवें दिन अपना पहला पदक रोलर स्केटिंग में जीता। ये पदक महिला खिलाड़ियों ने स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में जीता। महिलाओं के बाद भारत की पुरुष टीम ने भी स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में कांस्य पदक हासिल किया। इसके साथ ही भारत के कुल पदकों की तादाद बढ़कर 55 हो गई है। स्पीड स्केटिंग में संजना, कार्तिका, हीरल और आरती की टीम ने तीसरे स्थान के साथ ही कांस्य अपने नाम किया। . इन महिला खिलाड़ियों ने 3000 मीटर रिले रेस 4 मिनट 34.86 सेकंड में पूरी कर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके कुछ देर बाद ही पुरुष टीम ने भी स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में ही कांस्य पर कब्जा किया। आनंद कुमार, सिद्धांत और विक्रम ने 4 मिनट 10.1298 सेकंड समय निकालकर ये पदक जीता। इस प्रकार भारत ने अबतक 13 स्वर्ण , 21 रजत और 21 कांस्य पदक जीत लिए हैं।

एशियाई खेलों में भारत की वित्या 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में पहुंची

-उषा के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की

-ऊंची कूद में संदेश और सर्वेश ने फाइनल में जगह बनायी

हांगझोऊ(एजेंसी)। एशियाई खेलों में सोमवार को नौवें दिन भारत की वित्या रामराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में प्रवेश किया। वित्या ने अपनी हीट में 55.42 सेकंड का समय निकालकर पूर्व चैम्पियन पी टी उषा के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की भी बराबरी की। । उषा ने साल 1984 में 55.42 सेकंड समय का यह रिकॉर्ड बनाया था। वहीं भारत की ही रवि सिंचल कावेरम टी 58.62 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में पांचवें स्थान पर रही और मुकाबले से बाहर हो गयीं।

दूसरी ओर पुरूषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में भारत के संतोष कुमार टी और यशास पलक्षा ने 49.28 और 49.61 सेकंड का समय निकालकर फाइनल में प्रवेश किया। इसके अलावा पुरूषों की ऊंची कूद में संदेश जेस्से और सर्वेश अनिल कुशारे ने 2.10 मीटर की कूद लगाकर नौवें स्थान के साथ ही फाइनल में स्थान बनाया। संदेश पूल ए में छठे जबकि सर्वेश पूल बी में चौथे स्थान पर रहे। इसके अलावा पुरूषों की 800 मीटर हीट में मोहम्मद अफजल पी 1ः46.79 सेकंड और कृष्णन कुमार 1ः49.45 सेकंड समय निकालकर पहले और दूसरे स्थान पर रहने के साथ ही फाइनल में पहुंचे।

एशियाई खेल: सैय्यद अजीज और मुहम्मद आमिर की धुआंधार पारी, मलेशिया की थाईलैंड पर बड़ी जीत

हांगझोऊ(एजेंसी)। हांगझोउ ः चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में सोमवार को खेले गये मलेशिया बनाम थाईलैंड टी-20 क्रिकेट ग्रुप सी मुकाबले में मलेशियाई ने सैय्यद अजीज 56 गेंदों में 126 रन, मुहम्मद आमिर 25 गेंदों में 55 रन की धुआंधार पारी की और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत थाईलैंड को रिकार्ड 194 रन से हरा दिया है। सुबह टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मलेशिया की टीम ने सैय्यद अजीज 56 गेंदों में 126 रन, मुहम्मद आमिर 25 गेंदों में 55 रन की धुआंधार पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 268 रन विशाल स्कोर खड़ा किया। मलेशिया का पहला विकेट जुबैदी जुल्फिकली 31 के रूप में गिरा। उन्हें सातवें ओवर में नामचाइकुल ने देसुंगनेऑन के हाथों कैच आउट करवाया। उस समय टीम का स्कोर 81 रन था। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए मुहम्मद आमिर ने दूसरे विकेट के लिए सैय्यद अजीत के साथ 140 रन की साझेदारी की। टीम के 249 रन के स्कोर पर सैय्यद अजीज के रूप में मलेशिया का दूसरा विकेट गिरा। अजीज को देसुंगनेऑन ने नामचाइकुल कैच कराया। जबकि मुहम्मद आमिर को देसुंगनेऑन की गेंद पर चाटफाईसन कैच किया। शर्विन मुनीअंडी के रूप में मलेशिया का चौथा विकेट गिरा। उसे पेंगकुमता ने सारानोननक्कुन के हाथों कैच करा कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। मुनीअंडी ने तीन रन बनाये थे। विरनदीप सिंह 30 रन बनाकर और स्याज़रुल इद्दस एक रन बनाकर नाबाद रहे। थाईलैंड की ओर से सोरावात देसुंगनेऑन 43 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि चंचाई पेंगकुमता और खानितसोन नामचाइकुल को एक-एक विकेट मिला। 269रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड की शुरूआत बेहद धीमी रही और उसका कोई भी बल्लेबाज पिच पर नहीं टीक सका। थाईलैंड का पहला विकेट चौथे ओवर में आठ के स्कोर पर गिरा। पहले विकेट के रूप में सोरावात देसुंगनेऑन पांच रन को विजय उम्री की गेंद पर जुबैदी जुल्फिकली ने कैच किया।

पीएम मोदी ने एशियाई खेलों में महिला रोलर स्केटर्स को कांस्य पदक जीतने पर दी बधाई

नयी दिल्ली ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को एशियाई खेलों में महिला स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले में कांस्य पदक जीतने पर रोलर स्केटर्स कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी राज को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके दृढ़ संकल्प और टीम वर्क की भी सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, 'कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी राज को बधाई। हमारी असाधारण महिला स्पीड स्केटिंग रिले टीम ने एशियाई खेलों में महिला स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले में कांस्य पदक जीता। उनका दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट टीम वर्क कई लोगों के लिए प्रेरणा-स्त्रोत है।' उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ तीनों खिलाड़ियों की पदक के साथ फोटो को भी साझा किया। उल्लेखनीय है कि चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज भारत की कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी ने महिलाओं की स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर स्पर्धा में 4ः34ः861 मिनट का समय लेते हुए कांस्य पदक जीता।

अश्विन जानते हैं कि चेन्नई में कैसे गेंदबाजी करनी है : पीयूष चावला

नई दिल्ली । पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कहा है कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन जानते हैं कि चेन्नई स्टेडियम के हालात कैसे हैं और उन्हें किस प्रकार से गेंदबाजी करनी है। अश्विन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए अंतिम समय पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। अश्विन को शुरुआत में विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी पर स्पिनर अक्षर पटेल के फिट नहीं होने के कारण उन्हें अंतिम समय पर टीम में जगह मिली है। चावला ने कहा कि अश्विन अक्षर के समान विकल्प हैं क्योंकि वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। चावला ने कहा, अक्षर के विश्व कप के लिए फिट नहीं होने के कारण अश्विन अपने अनुभव और पूर्व में उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की है, उसके कारण पहली पसंद बने। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। यह कुछ इस तरह है जैसा कि वह बल्लेबाजी कर सकता है, और एक बहुत ही अच्छा बल्लेबाज भी है। इसके अलावा इस पूर्व स्पिनर ने अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक होशियार क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा, अश्विन एक महान खिलाड़ी हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह सफेद गेंद या लाल गेंद क्रिकेट में गेंदबाजी कर रहे हैं, वह हमेशा खेल के बारे में सोचते रहते हैं। वह हमेशा खेल से जुड़े रहते हैं। हालांकि उन्होंने पिछले दो वर्षों में एकदिवसीय में बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेला है, वह वास्तव में एक अच्छे गेंदबाज हैं और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, किसी ने नहीं सोचा था कि अश्विन खेलेंगे पर उन्हें अनुभवी होने के कारण चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीधे अंतिम एकादश में शामिल किया गया है।

धोनी से बहुत कुछ सीखा लेकिन कप्तानी का मेरा अपना तरीका: गायकवाड़

हांगझोउ (एजेंसी)। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी से काफी कुछ सीखा है लेकिन पहली बार एशियाई खेलों की क्रिकेट स्पर्धा में भारतीय पुरूष टीम की कप्तानी कर रहे रूतुराज गायकवाड़ ने कहा कि उनकी कप्तानी की अपनी शैली है। महिला टीम के बाद अब भारतीय पुरूष क्रिकेट टीम भी स्वर्ण पदक की दावेदार होगी। भारतीय टीम मंगलवार को क्वार्टर फाइनल खेलेगी।

इंडियन प्रीमियर लीग में धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले गायकवाड़ ने कहा, 'मैंने धोनी से बहुत कुछ सीखा है लेकिन हर व्यक्ति की अपनी शैली होती है। उनकी शैली अलग है, उनकी शख्सियत अलग है और मेरी अलग है।' उन्होंने कहा, 'मैं उनके जैसा कुछ करने की बजाय अपनी शैली से खेलूंगा। हालात का सामना करने और खिलाड़ियों के सही उपयोग को लेकर उनसे मिली सीख को मैं जरूर अमल में लाऊंगा।' भारतीय कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि चीन में क्रिकेट खेलना अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, 'यहां बहुत अलग है। हमने कभी सोचा भी नीं था कि चीन में क्रिकेट खेलेंगे। पूरी टीम के लिए यह शानदार मौका है। एशियाई खेलों में भाग लेना गर्व की बात है।' गायकवाड़ ने कहा, 'क्रिकेट में विश्व कप है, आईपीएल है और घरेलू टूर्नामेंट है। हम उस तरह के हालात और माहौल के आदी है लेकिन यहां खेलगांव में रहना, दूसरे खिलाड़ियों को और उनके संघर्षों को जानना अलग अनुभव है। उन्हें दो तीन साल या चार साल में खेलने का मौका मिलता है। हमें खेलगांव का दौरा करके बहुत अच्छा लगा।'

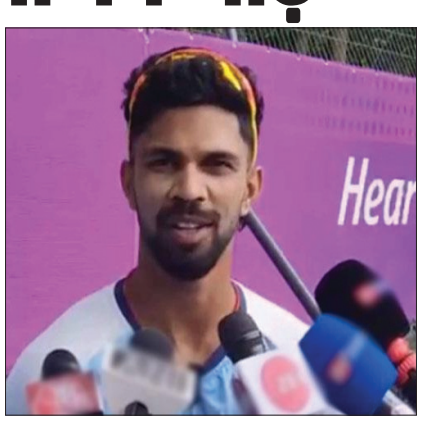

भारत को अपनी धरती पर खेलने का लाभ विश्ककप में मिलेगा: मुरलीधरन

लखनऊ (एजेंसी)। श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर रहे मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि भारत को अपनी धरती पर खेलने का फायदा विश्वकप में होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिनका फायदा टीम को होगा पर इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया की टीमें भी विश्व कप की प्रबल दावेदार हैं और ये भारत को कड़ी टक्कर देंगी। साथ ही कहा कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन भारतीय टीम के लिये अंतर पैदा करेंगे क्योंकि वह एक बेहतरीन गेंदबाज है जो बल्लेबाज के दिमाग को पढ़ने की क्षमता रखता है और उसे कभी भी परेशानी में डाल सकता है।

पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाड़ी भारतीय उपमहाद्वीप की कंडीशन से भलींभांति वाकिफ है और ये टीमें भी विश्वकप में हैरान कर सकती हैं। मुरलीधरन ने अपने क्रिकेट करियर के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि 1996 का विश्व कप उनके क्रिकेट करियर का सबसे यादगार क्ष्ण था जब उनके देश ने विश्वकप जीता था। उन्होंने ने कहा कि उन्हे वीरेन्द्र सहवाग के सामने गेंदबाजी करना चुनौती भरा लगता था। हालांकि उनके करियर में मिले 800 विकेट में से हर विकेट उनके लिए बेशकीमती है।

वहीं इस स्पिनर ने कहा कि विराट कोहली एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं पर उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से नहीं की जा सकती। मुरली ने सचिन को क्रिकेट की दुनिया का अनूठा बल्लेबाज करार दिया है। मुरलीधरन ने कहा कि विराट की तुलना उनसे करना सही नहीं होगा। अपनी फिल्म '800 के प्रमोशन के सिलसिले में भारत आये मुरलीधरन ने कहा कि विराट के अलाव विश्व के अन्य बल्लेबाजों की तुलना भी सचिन से नहीं हो सकती। वह महान बल्लेबाज रहे हैं। सचिन ने 14 वर्ष की उम्र में रणजी खेलना शुरू किया जबकि मात्र 16 वर्ष की आयु में उन्होने पाकिस्तान के खिलाफ खेल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण की उम्र में वकार युनूस जैसे गेंदबाजों का सामना किया। शतकों का शतक लगाने वाले सचिन जैसा प्रतिभाशाली बल्लेबाज केवल एक बार जन्म लेता है। उन्होंने कहा कि निसंदेह विराट एक बेहतरीन बल्लेबाज है मगर उनकी तुलना सचिन से करना गलत है। क्रिकेट के हर दौर में प्रतिभावान खिलाड़ी निकल कर सामने आते हैं मगर उनकी तुलना किसी अन्य से करना सही नहीं होता।

विश्वकप में जीत के लिए इंग्लैंड को हालातों से तालमेल बैठाना होगा

मुंबई ।जोस बटलर की कप्तानी में टीम पांच अक्टूबर को गत उपविजेता न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में अपने विश्वकप अभियान की शुरुआत करेगी विश्वकप में इस बाहर भाग ले रही सभी टीमों के लिए स्पिनरों का सामना करना चुनौती साबित होगा। इसी लिए अभी टीम ने दिग्गज स्पिनरों को शामिल किया है। इसी को ध्यान में रखते हुए इंग्लैंड ने भी अपनी टीम में स्पिनरों को पर्याप्त जगह दी है। इंग्लैंड ने इस विश्कप के लिए बेन स्टोक्स जैसे ऑलराउंडर की भी टीम में वापसी करायी है। टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में विकल्प की कोई कमी नहीं है हालांकि उसे भारतीय हालातों से तालमेल बैठाना होगा। टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने का भी लाभ भी भारत में मिलेगा। स्टोक्स की मौजूदगी से टीम काफी मजबूत दिख रही है। उनके पास ऐसे कई खिलाड़ी भी हैं जो जानते हैं कि वैश्विक टूर्नामेंट कैसे जीता जाता है। टीम का बल्लेबाजी क्रम लंबा है और इस प्रारूप में उसके पास बेहतरीन बल्लेबाज हैं जो किसी भी टीम को दबाव में ला सकते हैं। खराब फॉर्म में चल रहे जेसन रॉय के स्थान पर हैरी बूक को शामिल करने से भी बल्लेबाजी और बेहतर हुई है। उनके पास जो रूट जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी है। वहीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर रिजर्व अभी तक पूरी तरह नहीं फिट हुए हैं, इसलिए वह रिजर्व खिलाड़ी होंगे, लेकिन मार्क वुड की तेज गति और लेग स्पिनर आदिल राशिद भारतीय पिचों पर उनके लिए अहम होंगे। विश्व कप से पहले इंग्लैंड को उपमहाद्वीप के हालातों में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम ने घरेलू परिस्थितियों में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया था लेकिन टूर्नामेंट में खेल रही कुछ अन्य टीमों की तरह उसने हाल-फिलहाल में उपमहाद्वीप में नहीं खेला है ,जिसका उसे नुकसान होगा। टीम को आक्रामक बल्लेबाजी का पिछले कुछ समय में काफी फायदा मिला है लेकिन भारत की धीमी पिचों में इसकी परीक्षा होना बाकी है। इस विश्वकप में इंग्लैंड की आक्रामक खेल की रणनिति की भी परिक्षा होगी।

विश्वकप में सिराज, शाहीन और बुड सहित ये गेंदबाज खतरनाक साबित होंगे ः स्टेन

नई दिल्ली ।दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि विश्वकप में भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज सहित पांच गेंदबाजों को खेलना सभी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहेगा। स्टेन के अनुसार सिराज के अलावा दक्षिण अफ्रीका के कैसिगो रबाडा, पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी, न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट और इंग्लैंड के मार्क वुड बल्लेबाजों को खेलना सबसे कठिन होगा। हैरानी की बात है कि इस सूची में भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को जगह नहीं मिली है। स्टेन ने कहा कि वह विश्वकप में सिराज का खेल देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साथ ही कहा कि रबाडा इस विश्वकप में दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए अंतर पैदा करेंगे। सिराज ने एशिया कप के खिताबी मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 6 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब विश्वकप में उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद जतायी जा रही है। वहीं शाहीन को लेकर इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, शाहीन की गेंदबाजी देखने लायक होगी, खासकर जब वह रोहित शर्मा को गेंदबाजी करेंगे। बता दें कि एशिया कप के दौरान दोनों का आमना-सामना हुआ था और उस समय लीग मैच में शाहीन हावी हो गये थे पर दूसरे मुकाबले में रोहित ने आक्रामक रुख अपनाया था। इस दिग्गज गेंदबाज ने कहा, मार्क वुड, शाहीन, ट्रेंट बोल्ट, मोहम्मद सिराज और रबाडा से विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन की वह उम्मीद कर रहे हैं। डेल स्टेन के अनुसार, दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक अब इन पांच असाधारण गेंदबाजों को आगामी विश्व कप में अपनी छाप छोड़ते हुए देखने के लिए देखेंगे।

रोहित शर्मा की बल्लेबाजी से डरे पाकिस्तानी गेंदबाज, शादाब ने कहा- 'भारतीय कप्तान के खिलाफ गेंदबाजी करना मुश्किल'

नयी दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2023 के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम भारत आई है। वहीं इस दौरान पाकिस्तान के उप कप्तान और लेग स्पिनर शादाब खान ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, उन्होंने कहा है कि रोहित के खिलाफ गेदंबाजी करना सबसे मुश्किल होगा। वर्ल्ड कप 2023 के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम भारत आई है। बता दें कि,भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले के लिए सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जो कि अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को खेला जाना है।

इंडिया टुडे की खबर के अनुसार, शादाब ने कहा कि मैं रोहित शर्मा की तारीफ करना चाहूंगा। दुनिया के तमाम बल्लेबाजों की लिस्ट में उनके खिलाफ गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल है। जब वे सेट हो जाते हैं तो सबसे ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं।

साथ ही शादाब ने कहा कि, एशिया कप अच्छा नहीं गया। लेकिन आप गलतियों से ही सीखते हैं। एशिया कप में हार के बाद हमने आराम किया है। मुझे लगता है कि वर्ल्ड कप में स्किल के साथ-साथ मेंटली भी तैयार रहना होगा। जब आप रिलैक्स्ड होते हैं तो अच्छी तरह फैसले ले पाते हैं। शादाब खान की बात करें तो उन्होंने 64 वनडे मैचों में 734 रन बनाए हैं। इस दौरान 4 अर्धशतक लगाए। वे 83 विकेट ले चुके हैं। शादाब का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 27 रन देकर 4 विकेट लेना रहा है।

बता दें कि, भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराया था। जहां उस टूर्नामेंट में दोनों टीमों का आपस में पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। वहीं दूसरे मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन कर बेहतरीन जीत अपने नाम की और फिर बाद में श्रीलंका को हराकर एशिया कप 2023 का खिताब भी अपने नाम किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समेटते रहें खुशियां

पुरानी सहेलियों, दोस्तों से मिलने का मौका न गंवाए। इंटरनेट ने उनसे संपर्क कर पाना सुलभ कर दिया है। उनके साथ पुराने दिनों की मीठी यादें ताजा कर आप तरोताजा हो जाएंगी

तनाव भरी जिंदगी! यही है आज का कड़वा सच। कैसे बहार आएं ऐसी जिंदगी से, ताकि तनाव छूमंतर हो जाए? समाज के डर से डरा-धमका कर, समझा कर अपने भीतर के बच्चे को आपने खामोश कर दिया है। अपना बड़प्पन जताने, अपनी इमेज के कैदी जो बन गए हैं आप। क्या ऐसे ही गुजार देंगे जिंदगी बगैर सच्चा लुत्फ उठाए? हमेशा न सही मगर प्रतिदिन कुछ समय के लिये तो अपने आप से रूबरू हो ही सकते हैं, खुश रहने के फामरूले आजमा सकते हैं

-रोज एक ही डाइनिंग टेबल पर बैठकर उसी अंदाज में खाते अक्सर बोरियत होने लगती है। क्यों न जगह बदल कर खाया जाये? कभी पतिदेव को भी सेवा का मैका दें ताकि वे भी आपको खाना परोस सकें। अगर वे वास्तव में आपसे प्यार करते हैं, आपकी केयर करते हैं तो जरूर कुछ मदद जो वे कर सकते हैं, करके दिखायेंगे।

-टीवी से आज लोगों को फुर्सत नहीं। चिपक कर बैठ गए तो सारी दुनिया भुला बैठेंगे मगर वे यह नहीं जानते कि यह दिमाग के लिए स्लो पॉयजन है। रेडियो सुनना इसका बेहतर विकल्प है।

-जिम के बजाय नृत्य से बेहतर वर्क आउट हो सकता है? इसके लिए आपको न पैसे खर्च ने होंगे, न जिम आने-जाने की जहमत उठानी होगी। नृत्य से आत्मिक शांति मिलती है और खुशियां भी हजार।

-घर की सेटिंग में बदलाव भी मन प्रफुल्लित करता है। सुंदर तस्वीरें, सजावटी सामान से घर को संवार दें। जरूरी नहीं है कि ये सब महंगे ही हों। बस, टेस्ट अच्छा होना चाहिए। टीवी बेडरूम में रखना ठीक नहीं, इसे लॉबी या ड्राइंग-रूम में ही रखना उचित है। बेडरूम में आराम जरूर लगता है, लेकिन उससे गलत आदतें बन जाएंगी।

-अतीत में विचरना बुरा नहीं, लेकिन बस थोड़ी देर की सैर ही उचित होगी। आप उन्हीं रास्तों-कोनों से जुड़ी उन घटनाओं को याद करें, जिनसे आपको खुशी मिले। कुछ सुहाने यादगार पल जो दोबारा आपको खुशी दें, उन्हीं की जुगाली करें।

-आपके घर की खिड़की पर झांकता कोई फूलों का गुच्छा, लॉन में बिछी हरी घास, उड़ता हुआ कोई चहचहाता पंछी, आसमान में तैरते रुई के फाहे से बादल, सुबह उगता सूरज, शाम को सूर्यास्त का नजारा, रात को अपनी चांदनी बिखेरता आसमान में खिला चांद, कुछ देर निहारिए तो सही। डूब जाइए उनकी खूबसूरती में, भुला दें दुनिया के सारे रंजोगम। सच, प्रकृति के पास आपको खुश करने के लिए अनगिनत सौगातें हैं।

-मित्र और रिश्तेदार आपको ऊर्जा देते हैं। उनसे अच्छे संबंध बनाकर रखें, जिनसे मन न मिलता हो और जिनके साथ इंट्रैक्ट कर आप डिप्रेस या टेंस फील करती हों, उनसे दूरी बनाने में ही भलाई है।

-पढ़ने का शौक अच्छा है। अच्छा टाइमपास भी है। यह आपकी ग्रोथ में मदद करता है। पढ़कर ही दुनिया में क्या हो रहा है, पता चलता है। दुनिया भर के लोगों के कल्चर को जानकर सोच को विस्तार मिलता है। यह आपको भी तरह से समृद्ध करता है।

- जहां तक संभव हो टिपटॉप रहने की कोशिश करें। अच्छे दिखेंगे, तभी अच्छा फील करेंगे। जो मन आए वही पहनें। आप बेहतर जानती हैं कि आपको क्या सूट करता है।

-अपनी कल्पनाशक्ति टी.वी. के आगे बैठकर नष्ट न कर लें। कल्पना के सुनहरे पंखों पर जब जी चाहे उड़ान भरें। यह समय की बर्बादी कतई नहीं होगी, उस उड़ान लंबी और देर तक न ली जाए यह ध्यान रहे, क्योंकि तब वाकई समय की बर्बादी होगी। खाने में नये-नये प्रयोग करें, एक-सा खाते रहने की ऊब से छुटकारा मिलेगा।

-अंत में एक शेर के मुताबिक, दिल बहलाने को कहीं और न जाकर घर की चीजों को ही सजाया जाए। इसका भी अपना मजा है। - प्रकीर्तिमा

भरपूर नींद मधूमेह से दिलाएगी छुटकारा

अक्सर यह देखने में आता है महिलाएं घर और अपने दफ्तर के काम-काज में इतना परेशान हो जाती है कि उन्हें भरपूर नींद लेने का समय ही नहीं मिलता जिससे वह कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से घिर जाती हैं। जिसमें से एक मधूमेह।मधूमेह से बचने के लिए जरूरी है भरपूर नींद।आइए जानते हैं। चार-पांच घंटे की नींद के बजाए पर्याप्त नींद लेना शुरू करें ताकि आप हमेशा स्वस्थ रहे। नींद की कमी के कारण आपके शरीर में कई समस्याएं होने लगती है। इसी के चलते आगे चलकर शरीर में मौजूद ब्लड शुगर का स्तर गड़बड़ा सकता है। नतीजतन मधूमेह से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है। हाल ही में किए गए एक अमेरिकी शोध में अध्ययनकर्ताओं ने यह रिपोर्ट पेश की।शोध में कहा गया कि हमने आठ साल तक १००० लोगों पर अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल लोग रोज अपनी दिनचर्या का रिकार्ड कंप्यूटर में दर्ज करते थे। माह के अंत में इन रिकार्डो का वैज्ञानिक अध्ययन करते थे।

अध्ययन से पता चला कि जो लोग प्रतिदिन छह घंटे से कम नींद ले रहे थे, उनके शरीर में ब्लड शुगर का लेवल सही नहीं था। इसके विपरीत जो लोग प्रतिदिन छह या सात घंटे की नींद ले रहे थे, उनके शरीर में ब्लड शुगर का संतुलन सही था।अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि जब हम सोते हैं तो शरीर एक प्रकार से अपनी मरम्मत कर रहा होता है। यदि शरीर को अपनी मरम्मत करने का पूरा समय नहीं मिलेगा तो जाहिर है कि हमें विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसका असर ब्लड शुगर पर भी पड़ता है। डॉ. लिसा का कहना है कि अब हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अधिक सोने पर भी ब्लड शुगर का स्तर गड़बड़ा जाता है या यह सामान्य रहता है। इस अध्ययन के निष्कर्ष हमें बताएंगे की ब्लड शुगर को और किस तरह नियंत्रित किया जा सकता है।

हॉस्टल

जब बच्चा पहली बार आपसे दूर जाता है तो एक कसक और दर्द तो होता ही है, लेकिन बेस्ट एजुकेशन के लिए यह सही है। परिवार और अपनों से दूर अजनबी शहर के हॉस्टल में लड़के-लड़कियों को स्वतंत्र रूप से विकसित होने और वक्त के हिसाब से ढलने का पूरा अवसर मिलता है। लेकिन हॉस्टल भेजने से पहले कुछ सावधानियों के बारे में यदि हम अपने बच्चों को बतायें तो वो किसी भी मुश्किल में पड़ने से बच जाएंगे

भेजने से पहले रखें कुछ बातों का ख्याल

क्या समस्यायें होती हैं हॉस्टल में

-घर से दूर हॉस्टल में शुरू-शुरू में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे हॉस्टल में सामान चोरी होने की सबसे ज्यादा संभावना होती है।

-घर से दूर बच्चों को एकाकीपन सताने लगता है जिसे दूर करने के लिए वे अक्सर सिगरेट, शराब ड्रग्स व नशे की लत में पड़ जाते हैं।

-अकेले होने पर कोई गलत दोस्त या सहेली हमदर्द बनकर फायदा उठाने की फिराक में रहते हैं। इसलिए समय-समय पर बच्चों को फोन करके ऐसे दोस्तों से दूर रहने की हिदायत देते रहें।

-बच्चे को बतायें कि हॉस्टल और घर के माहौल में काफी अंतर होता है। इसलिए हॉस्टल में उसे काफी सतर्क रहना होता है। जैसे अपना कमरा ठीक से लॉक करना, पैसे खुले न रखना, सामान पर पूरा ध्यान देना और किसी भी पर भी ज्यादा भरोसा न करना।

-घर से दूर होने पर बच्चों को शुरुआत में होम सिकनेस ज्यादा प्रभावित करती है, इसलिए उस शहर में रहने वाले अपने मित्र या रिश्तेदार को ढूंढें जो बच्चे के स्थानीय अभिभावक की अहम भूमिका निभा सके।

-बच्चों से बराबर बातचीत बनायें रखें। फोन और नेट के द्वारा बच्चों से टच में रहें। बर्थ डे या अन्य खास अवसरों पर जरूर जायें और हमेशा उन्हें प्रोत्साहित करते रहें।

-आजकल युवा पैसे की कीमत हो पहचानते हैं। फिर भी उन्हें ए.टी.एम. से पैसा निकलाना, बैंक में पैसे कैसे जमा करना- इसकी उन्हें पूरी जानकारी अवश्य दें। साथ ही किफायत से पैसा खर्च करना और हिसाब रखना भी सिखायें।

-आज के बदलते परिवेश में अमूमन कॉलेज में को-एजुकेशन होती है। ऐसे में एक दूसरे के प्रति आकर्षण होना संभव है, इसलिए अपने युवा बच्चों को यह आगाह करें कि वे घर से इतनी दूर शिक्षा अर्जित करने के लक्ष्य हो लेकर आये हैं। उन्हें अपना भविष्य बनाना है। क्रश के चक्कर में पड़कर अपना भविष्य बर्बाद न करें।

-साथ ही अपने हॉस्टल जाने वाले बच्चों को इस बात से सतर्क करें कि हॉस्टल में कोई गलत हरकत देखें तो तुरंत स्थानीय अभिभावक के साथ मिलकर पुलिस थाने में शिकायत करें।

-अगर आप इन बातों पर गौर करें तो हॉस्टल भेजने से पूर्व हॉस्टल संबंधी जो हौवा अपको सता रहा है वह वक्त के साथ काफूर हो जायेगा। -अभ्यर्थना

क्यों बढ़ रहा है हॉस्टल का चलन

एजुकेशन और जॉब के महत्व को समझते हुए माता-पिता अपने बच्चों को घर से दूर अनजाने शहर में भेजने के लिए विवश होते हैं। ऐसे में हॉस्टल अनजाने शहर में लड़के-लड़कियों को ऐसी छतछ्राया देता है जहां उन्हें अपने सपनों के पंख पसारने के लिए पूरी स्वतंत्रता मिलती है। वैसे आज के परिवेश में हॉस्टल का माहौल कुछ बिगड़ जरूर गया है। ऐसे में अभिभावक की ये जिम्मेदारी है कि वह समय-समय पर अपने बच्चे को गलत और सही का फर्क जरूर बताते रहें।

वेलनेस

त्वचा के दाग-धब्बों के लिए होममेड ट्रीटमेंट

त्वचा पर खासतौर से चेहरे पर भद्दे दाग और पिग्मेंटेड निशान कोई नहीं चाहता। चिकनी और साफ त्वचा पाने के लिए हम बाजार में उपलब्ध विभिन्न क्रीम और जेल पर काफी पैसा खर्च करते हैं। लेकिन उन साधारण और छोटी-छोटी चीजों को भूल जाते हैं जो हमारी किचन गार्डन में उपलब्ध होती हैं, जो हमें न केवल एक्ने और धब्बों से निजात दिलाते हैं बल्कि त्वचा की चमक भी वापस लाते हैं। इसलिए अगर आपके चेहरे पर एक भी दाग है जो आपको परेशान करता है, तो दिये गये आसान होममेड ट्रीटमेंट से भद्दे दाग-धब्बों से निजात पा सकती हैं-

भद्दे दाग-धब्बों को हल्का करता है नींबू का रस

कभी-कभी दाग जब ठीक होने वाले होते हैं तब वे त्वचा के अन्य हिस्सों से ज्यादा गहरे नजर आने लगते हैं। यहां तक कि अगर ये उभर न भी रहे हों तब भी गहरे रंग का धब्बा नजर आने लगता है। इसमें नींबू का रस लगाएं। नींबू का रस लगाने के बाद इसे पंद्रह मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद सादे पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को दिन में दो से तीन बार दोहरायें, आपको वो परिणाम मिलेंगे, जो आप चाहती हैं।

खरोंच और कटे में लाभकारी है ऐलो वेरा का जूस

अगर आपके घर में ऐलो वेरा का पौधा है, तो इसका मतलब छोटे-मोटे कटे और खरोंच के लिए आपके पास ''इंस्टेंट फर्स्ट एड'' का स्रेत है। बस, इसके ऐलो वेरा के पत्तों को तोड़ें और चिपचिपे जूस को सीधे घाव पर लगायें। घाव को ठीक करने के साथ ही ऐलो वेरा में त्वचा के दाग धब्बों को हल्का करने के गुण भी पाये जाते हैं। जब तक आपको परिणाम न मिलें तब तक दिन में दो से तीन बार ऐलो वेरा का ताजा जूस धब्बों पर लगाएं।

रिलैक्स करता है लेवेंडर ऑयल

अत्यधिक थकान और बेचैनी में शुद्ध लैवेंडर ऑयल काफी असरकारक साबित होता है। यह आराम और शांति पहुंचाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस मीठी सुगंध से भरपूर तेल में आपके अनचाहे धब्बों को दूर करने के गुण मौजूद हैं? यह सच हैं। सामान्य रूप से लेवेंडर ऑयल को प्रभावित स्थान पर दिन में दो-तीन बार लगायें। तेल को धीरे-धीरे त्वचा पर मलें।

जादुई असर वाला कोको बटर

दाग-धब्बों को कम करने का एक और होममेड ट्रीटमेंट है कोको बटर का इस्तेमाल। कोई भी लोशन ऐसा नहीं होता जिसमें थोड़ा सा कोको बटर का इस्तेमाल न किया गया हो लेकिन एक वास्तविक उत्पाद जादू कर सकता है। बस केवल आपको इस पुष्टिकर औषधि को धीरे-धीरे त्वचा के धब्बों पर दिन में दो-तीन बार मलना होगा।

वेलनेस टिप

एंटी-एजिंग, डी-टैन और क्लियर स्किन के लिए कोको बटर और हनी क्रीम पैक- यह काफी सामान्य लेकिन असरकारी क्रीम है। एक टेबलस्पून कोको बटर को आधा टेबलस्पून डार्क ऑर्गेनिक शहद के साथ मिलाएं। इसमें दो-दो बूंद तिल और एप्रीकॉट ऑयल की डालें। इसे अच्छी तरह मिलाकर गाढ़े क्रीम का टेक्चर तैयार करें। इस क्रीम को चेहरे पर लगायें और तीन मिनट के लिए छोड़ दें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। आपकी त्वचा नर्म और खूबसूरत दिखेगी।

- खुशबू जैन

सुंदर तथा स्लिम काया पाने के लिए अपनाएं ये उपाय

महिलाओं में अक्सर यह देखने को मिलता है कि वह खाद्य पदार्थ का सेवन तो काफी कम करती हैं लेकिन शरीर में मोटापा बढ़ता ही रहता है। मोटापा शरीर की बनावट ही नहीं बिगाड़ता बल्कि चेहरे की सुंदरता को भी कम कर देता है।यही नहीं, मोटापा सुडौलता को नष्ट करने के साथ-साथ कई गंभीर बीमारियों की वजह भी बनता है। किसी ने खूब ही कहा है की मोटापा और सुंदरता कभी भी एक साथ नहीं रहती। सच पूछिए तो पतले होने के लिए किए जा रहे प्रयास महिला वर्ग में फैशन ट्रेंड से बन गए हैं। मगर चिकित्सकों की सलाह है कि छरहरा दिखने के लिए भोजन में कटौती बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसका स्वरूप बदलिए।आइए हम आपको बताते हैं छरहरी या स्लिम रहने के उपाय :

- प्रत्येक दिन सूर्य नमस्कार का आसन करें। इन सभी व्यायामों को करने से आप अपनी कमर से फालतू चर्बी कम कर सकती हैं।

- फर्श पर बैठकर बायें पैर को बायें और दाहिने पैर को दाहिनी ओर फैला लें। फिर दोनों हाथ से एक साथ पहले दायें पैर का अंगूठा छुएं, फिर बायें पैर का अंगूठा छुएं। इस व्यायाम को दस बार प्रत्येक दिन करें।

- तला भोजन खाना बंद करें। घी, मक्खन, तेलयुक्त पदार्थों का सेवन कम करें।

- पानी सौ समस्याओं का एक इलाज है। अधिक पानी पीने से भोजन को पचने में आसानी रहती है और शरीर के अनावश्यक पदार्थ गुर्दो द्वारा पानी के माध्यम से सरलता से बाहर चले जाते हैं, इसलिए दिन में कम से कम १० से १५ गिलास पानी जरूर पिएं।

- सीधी खड़ी हो जायें और दोनों पैरों के बीच कम से कम एक कदम का फासला रखें। धीरे-धीरे दाहिनी ओर झुकें और दाहिने घुटने को पकड़ें लेकिन घुटना सीधा रखें। शरीर को जितना आप झुका सकें दाहिनी ओर झुकायें। इसी तरह बायें हाथ से बायें घुटने को पकड़ें। इस व्यायाम को प्रत्येक दिन कम से कम दस बार करें।

बम हमले के बाद तुर्की ने इराक में पीकेके के खिलाफ शुरू किये हवाई हमले

अंकारा। तुर्की सेना ने उत्तरी इराक में हवाई हमले किए और प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के 20 ठिकानों को नष्ट कर दिया। देश के रक्षा मंत्रालय ने रविवार शाम एक बयान में कहा, तुर्की के हवाई हमलों ने गारा, हाकुर्क, मेटिना और कंदील में पीकेके ठिकानों को निशाना बनाया। सैन्य अभियान रविवार सुबह दो हमलावरों द्वारा राजधानी अंकारा में तुर्की के आंतरिक मंत्रालय की इमारत के सामने बम हमले का प्रयास करने के बाद आया, जिसमें दो पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गए। आत्मघाती बम विस्फोट करने के बाद एक हमलावर की मौत हो गई, जबकि दूसरे को पुलिस ने गोली मार दी। आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि हमलावरों में से एक की पहचान पीकेके के सदस्य के रूप में की गई है और दूसरे की पहचान निर्धारित करने के लिए जांच चल रही है। तुर्की सेना अक्सर पीकेके के खिलाफ उत्तरी इराक में जमीनी कार्रवाई, हवाई हमले और तोपखाने बमबारी करती रहती है, खासकर समूह के मुख्य आधार कंदील पर्वत में। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध पीकेके तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है।

फिलीपींस के मिंडानाओ में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप

मनीला, । फिलीपींस के मिंडानाओ में रविवार को 2254 (जीएमटी) पर 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने यह जानकारी दी। भूकंप का केंद्र, 10.0 किमी की गहराई के साथ, शुरू में 8.13 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 126.69 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया।

मेक्सिको में सड़क दुर्घटना में 10 क्यूबाई प्रवासियों की मौत

मेक्सिको सिटी। क्यूबा के 27 नागरिकों को ले जा रहा एक मालवाहक ट्रक दक्षिण मेक्सिको के सीमावर्ती राज्य चियापास में पलट गया। जिससे उसमें सवार 10 महिलाओं की मौत हो गई और 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। नेशनल माइग्रेशन इंस्टीट्यूट ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने कहा कि पिजिजियापान-टोनाला राजमार्ग के तटीय क्षेत्र में सुबह-सुबह यह दुर्घटना हुई। बताया गया है कि, 'प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, चालक तेज गति से गाड़ी चला रहा था, उसने इकाई पर नियंत्रण खो दिया और पलट गई।' उन्होंने बताया कि चालक फरार हो गया। बचाव दल ने घायलों में से 16 को पिजिजियापान शहर के एक अस्पताल में और अन्य को हुइक्स्टला शहर में स्थानांतरित कर दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका पहुंचने के इच्छुक प्रवासियों के लिए मेक्सिको एक सामान्य पारगमन मार्ग है।

जिम्बाब्वे में विमान हादसा, भारतीय खनन कारोबारी और उसके बेटे समेत छह लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण-पश्चिमी जिम्बाब्वे में एक निजी विमान तकनीकी खराबी के कारण हीरे की एक खदान के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार एक भारतीय खनन कारोबारी और उसके बेटे सहित छह लोगों की मौत हो गई। मीडिया में प्रकाशित खबरों से यह जानकारी सामने आई है। समाचार वेबसाइट 'आईहरारे' ने अपनी खबर में बताया कि मशावा के जवामहांडे इलाके में हुए विमान हादसे में खनन कंपनी 'रियोजिम' के मालिक हरपाल रंधावा, उनके बेटे और चार अन्य लोगों की मौत हो गई। 'रियोजिम' सोने और कोयले का उत्पादन करने के साथ-साथ निकल और तांबे को परिष्कृत करने वाली एक प्रमुख खनन कंपनी है। खबर के मुताबिक, 'रियोजिम' के स्वामित्व वाला सेसना 206 विमान शुक्रवार को हरारे से मुरोवा हीरा खदान की ओर जा रहा था, तभी यह दुखद हादसा हुआ। एकल इंजन वाला विमान मुरोवा डायमंड खदान के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसकी सह-मालिक 'रियोजिम' है। खबर के अनुसार, जवामहांडे में पीटर फार्म में गिरने से पहले विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते उसमें संभवत हवा में विस्फोट हो गया। इसमें बताया गया है कि हादसे में विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। 'द हेराल्ड' अखबार ने पुलिस के हवाले से प्रकाशित खबर में बताया कि हादसे में मारे गए चार लोग विदेशी, जबकि दो अन्य जिम्बाब्वे के नागरिक थे। पुलिस ने अभी तक मृतकों के नाम जारी नहीं किए हैं, लेकिन रंधावा के दोस्त और पेशे से पत्रकार एवं फिल्म निर्माता होपवेल चिनोनो ने हादसे में उनकी मौत की पुष्टि की है।

अमेरिका : रेडमंड में मनाया गया गणेशोत्सव

वाशिंगटन । भारतीय-अमेरिकियों ने विश्व की अग्रणी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मुख्यालय रेडमंड में गणेशोत्सव मनाया और इस दौरान भगवान गणेश की 15 फुट की मूर्ति की पूजा-अर्चना की। इस मूर्ति को भक्तों ने 'रेडमंड राजा' नाम दिया है। इस कार्यक्रम में लगभग 20,000 भारतीय-अमेरिकी शामिल हुए। यह मूर्ति रेडमंड के पार्क के बीचों-बीच एक भव्य मंच पर स्थापित की गई। इस मंच की साज-सज्जा किसी भारतीय महल की याद दिलाती है। इस मौके पर स्थानीय संगीतकारों के समूह 'बीट्स ऑफ रेडमंड' के 150 से अधिक कलाकारों ने ढोल-ताशा बजाकर गणपति की पूजा-अर्चना की। 'बीट्स ऑफ रेडमंड' 2019 से सिएटल के इस उपनगर में वार्षिक उत्सव का आयोजन कर रहा है। इस समूह की स्थापना दीपाली साने और आनंद यशवंत साने से की थी। भगवान गणेश की इस मूर्ति को कुशल कारीगर सुशांत ने भारत के मुंबई में बनाया और वहां से इसे रेडमंड लाया गया। मूर्ति को 40 फुट के भव्य मंच पर स्थापित किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने प्रसाद के रूप में 12,000 से अधिक लड्डू और 1,000 फल वितरित किए। इस उत्सव में कई स्थानीय नेता भी शामिल हुए। सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत के. श्रीकर रेड्डी ने भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने में इस त्योहार के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने यह 'यादगार' कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 'बीट्स ऑफ रेडमंड' की सराहना की। एक मीडिया विज्ञप्ति में बताया गया कि रेड्डी ने सिएटल महानगरीय क्षेत्र में एक नया भारतीय वाणिज्य दूतावास खोले जाने की भी घोषणा की।

फिरौन सहुरा के पिरामिड के गुप्त कमरों का खुलासा

काहिरा । वैज्ञानिकों ने मिस्र के पांचवें राजवंश के फिरौन सहुरा के पिरामिड के गुप्त कमरे खोजे हैं, जो इसके प्राचीन रहस्यों को उजागर कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि यह पिरामिड 4400 साल पहले फिरौन सहुरा के सम्मान में बनाया गया था। नई खुदाई से 8 स्टोरेज रूम का पता चला है, जिनके बारे में पहले कोई जानकारी नहीं थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, वुर्जबर्ग के जूलियस मैक्सिमिलियंस यूनिवर्सिटीएट की एक टीम ने इन कमरों को खोजा है। उनकी जांच में कई स्टोरेज रूम्स का पता चला, जिनका पहले डॉक्यूमेंटेशन नहीं किया गया था। डॉक्टर मोहम्मद इस्माइल खालिद इस टीम को लीड कर रहे थे। उनका कहना है कि, 'यह खोज सहुरा पिरामिड और इसके एतिहासिक महत्व को समझने में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।' सहुरा का पिरामिड 26वीं से 25वीं शताब्दी ईसा पूर्व के अंत में सहुरा के लिए बनाया गया था, जो पांचवें राजवंश के दूसरे राजा और अबुसिर में दफनाए जाने वाले पहले राजा थे। सहुरा का शासनकाल शांति और समृद्धि के लिए जाना जाता था। यह बताया जाता है कि सहुरा ने अपने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार किया। उसने एक नौसेना भी बनाई थी और खदानें भी खोलीं पिरामिड की खुदाई सबसे पहले 1836 में कर्नल हॉवर्ड वायस के अधीन काम करने वाले एक इंजीनियर जॉन पेरिंग ने की थी, इसके बाद 1907 में मिस्रविज्ञानी लुडविग बोरचर्ड ने इसकी और खोज की। 100 से अधिक सालों बाद अब वैज्ञानिकों ने एक बार फिर प्राचीन पिरामिड के अंदर कदम रखा है। डॉक्टर खालिद की टीम ने शुरुआत में पिरामिड की संरचना को स्थिर करने और इसे ढहने से रोकने का काम शुरू किया। इसके बाद वैज्ञानिकों ने 3डी लेजर स्कैनिंग का उपयोग करके पिरामिड के अंदर डिटेल्ड सर्वे किया। इससे वे इस जगह के बाहरी क्षेत्रों और अंदर के गलियारों और कमरों का मैप बना पाए। जब वे इनके अंदर गए तो वहां का नजारा देख कर दंग रह गए। इन कमरों की छतें और फर्श 'बुरी तरह क्षतिग्रस्त' हैं, और यह साफ नहीं है कि वहां वास्तव में क्या स्टोर किया गया था।

केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर का मुरीद हुआ अमेरिका

, विदेश मंत्री की तारीफ कर बताया उन्हें मॉडर्न अमेरिका भारत संबंधों का वास्तुकार

वाशिंगटन (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका के दौरे पर है। अमेरिका के दौरे के दौरान भारत के विदेश मंत्री ने मोदी सरकार में भारत और अमेरिका के संबंधों को एक अलग स्तर पर ले जाने की बात कही थी। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते चंद्रयान की तरह ही चांदी या उससे भी ऊपर तक पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका संबंध अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं। मोदी सरकार इसे अलग स्तर पर ले जाने की तैयारी में जुटी हुई है।

भारत अमेरिका रिश्तों को लेकर इस सोच को रखना वाले जयशंकर का अब अमेरिका मुरीद हो गया है। एस जयशंकर की अमेरिकी यात्रा के बाद अमेरिकी प्रशासन ने एस जयशंकर की जमकर तारीफ की है। बाइडेन प्रशासन ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए एस जयशंकर ने आधुनिक रिश्तों के वास्तुकार की तरह अहम भूमिका निभाई है। जानकारी के मुताबिक जयशंकर शनिवार को भारतीय दूतावास में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारत वंश को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जी-20 का सफल आयोजन अमेरिका के समर्थन के बिना होना संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर जी-20 के सदस्य इसके सफलता के लिए काम नहीं करते तो सब का साथ आ पाना मुश्किल था।

बता दे की विदेश मंत्री एस जयशंकर 22 सितंबर से 30 सितंबर तक अमेरिका की यात्रा पर थे। इस यात्रा के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा की 78 वे सत्र को उन्होंने न्यूयॉर्क में भी संबोधित किया। बता दें कि भारतीय दूतावास में आयोजितकार्यक्रम में जयशंकर के लिए ये बाते कही गई है। इस कार्यक्रम में अमेरिकी सर्जन जनरल विवेक मूर्ति, राज्य के उप सचिव रिचर्ड वर्मा, राष्ट्रपति बाइडेन की घरेलू नीति सलाहकार नीरा टंडन, व्हाइट हाउस ऑफिस के राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति के निदेशक डॉ राहुल गुप्ता और नेशनल साइंस फाउंडेशन के निदेशक डॉ. सेथुरमन पंचनाथन शामिल हुए थे।

पूर्व राष्ट्रपति को जेल से निकालकर नजरबंद किया गया

माले (मालदीव) मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज के निर्वाचित होने के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को जेल से निकालकर घर में नजरबंद कर दिया गया है। पूर्व राष्ट्रपति यामीन अपने कार्यकाल (2013 से 2018 तक) के दौरान रिश्वतखोरी और धनशोधन के आरोपों के तहत जेल में बंद हैं। मुइज पूर्व राष्ट्रपति यामीन की पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे। जेल से घर में नजरबंद करने का 'स्थानांतरण आदेश' निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़ के अनुरोध पर दिया है। मुइज़ 17 नवंबर को शपथ लेंगे। चुनाव आयोग ने शनिवार को हुए मतदान के औपचारिक परिणाम रविवार को जारी किए, जिसमें मुइज़ को 54.04 प्रतिशत वोट मिले, जबकि सोलिह को 45.96 प्रतिशत वोट से संतोष करना पड़ा। चुनाव का पहला दौर सितंबर के पूर्वार्द्ध में सम्पन्न हुआ था, जिसमें आठ उम्मीदवारों में से किसी को भी 50 प्रतिशत से अधिक मत हासिल नहीं हुए थे।

26/11 का बदला होगा पूरा...भारत ने कर दिया यूएस के 'लादेन' स्टाइल वाला ऑपेरशन!

ग्लोबल टेरेरिस्ट मक्की को पाकिस्तान से कौन उठा ले गया?

वाशिंगटन (एजेंसी)। पुरानी कहावत है कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है वह कभी ना कभी उसमें खुद गिरता है। यह बात पाकिस्तान पर इस समय बिल्कुल सही फिट हो रही है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ साज़िशें रचने के लिए आतंकियों की फैक्ट्री लगाई। उन्हें खाद पानी दिया। आज वही आतंकी उसके लिए बर्बादी का सबब बनते जा रहे हैं। लेकिन अब मामला इससे भी एक कदम आगे बढ़ गया है। मुंबई हमले का मास्टरमाइंड और आतंकियों का हेड मास्टर हाफिज सहित आज डरा-सहमा हुआ है। उसे मौत का डर सता रहा है क्योंकि एक के बाद एक उसके अपने ही परिवार वाले और खास आतंकी मारे जा रहे हैं। ऐसे में अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या अगला नंबर हाफिज सईद का है?

क्या सच में गायब है आतंकी मक्की?

अब्दुल रहमान मक्की जिसे इसी साल संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक आतंकी घोषित किया था वो लापता बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो पाकिस्तान से उसके गायब होने की खबर है। आपको बता दें कि ग्लोबल टेरेरिस्ट होने के साथ-साथ अब्दुल रहमान मक्की 26/11 हमले के मास्टरमाइंड और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद का बहनोई है। हालांकि हम इस खबर की पुष्टि नहीं कर रहे हैं। लेकिन कई सोशल मीडिया हैंडल और मीडिया रिपोर्ट्स में इस तरह का दावा किया जा रहा है ग्लोबल टेरेरिस्ट मक्की पाकिस्तान से गायब है और उसे कुछ लोग अपने साथ ले गए हैं। पिछले हफ्ते इसी तरह हाफिज सईद के बेटे कमालुद्दीन के भी गायब होने की खबर सामने आई थी। इसके बाद कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि कमालुद्दीन की हत्या कर दी गई।

कौन है अब्दुल रहमान मक्की

अब्दुल रहमान मक्की लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का रिश्तेदार है। वो लश्कर के राजनीतिक मामलों का भी अध्यक्ष है और सईद का बेहद ही करीबी बताया जाता है। 26/11 के मुंबई आतंकी हमले की साजिश रचने में भी अब्दुल रहमान मक्की शामिल था। कश्मीर में आतंकी योजना बनाना, युवाओं को ब्रेनवॉश कर आतंकी बनाने का काम भी मक्की किया करता था। आतंक के लिए धन जुटाने का जिम्मा भी मक्की के पास है। अमेरिका की तरफ से 2 मिलियन डॉलर का इनाम इस पर रखा गया है। स्लीपर सेल के लिए भी अब्दुल रहमान मक्की शामिल है। जुलाई 2019 में जब एफएटीएफ की तरफ से पाकिस्तान पर दवाब के बाद हाफिद सईद और अब्दुल रहमान मक्की समेत 13 जमात के आतंकी पर पाकिस्तान में कई केस बने और सजा हुई। फिर उन्हें जेल में भी डाला गया। जमात उत दावा में मक्की को प्रोफेसर मक्की के रूप में भी जाना जाता है।

2006 से ही भारत में आतंकी हमले में रहा शामिल

मक्की का नाम पहली बार भारत में तब सुना गया जब देश 26/11 जैसे खतरनाक हमलों से दहल गया था। मक्की इन हमलों का एक मास्?टरमाइंड था। गृह मंत्रालय की तरफ से साल 2022 में बताया गया था कि 74 साल का मक्की साल 2006 से ही भारत में आतंकी हमलों में शामिल रहा है। पाकिस्तान के आधिकारिक रेकॉर्ड में मक्की की जन्म की दो तारीखें दर्ज हैं। 10 दिसंबर 1954 और दूसरी है 10 दिसंबर 1948 और कई सुरक्षा अधिकारी मानते हैं कि यह सिर्फ विदेशी सुरक्षा एजेंसियों को गुमराह करने के लिए ही है।

ऋषि सुनक जुटे आधार को मजबूत करने में, अगले पीएम की रेस में शामिल

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में अगले पीएम की रेस में शामिल ऋषि सुनक इस समय अपना आधार मजबूत करने में जुटे हुए हैं। वे इस सप्ताह के अंत में कंजर्वेटिव पार्टी के सम्मेलन में इसलिए जा रहे हैं कि वह ब्रिटेन को यह विश्वास दिलाना चाहते है कि वह अगला आम चुनाव जीत सकते हैं। उनके स्वयं के कई लॉमेकर्स पहले से ही उस परिदृश्य के लिए तैयारी कर रहे हैं जिसमें वह नहीं हैं। प्रधानमंत्री सुनक ने हाल के दिनों में अपने आधार को मजबूत करने की कोशिश की है। वह ब्रिटेनवासियों के लिए लागत कम करने के नाम पर ग्रीन उपायों पर वापस आ गए हैं और ब्रिटेन की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना एचएस2 हाई-स्पीड रेल लिंक के पुनर्मूल्यांकन पर विचार कर रहे हैं। लेकिन राष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि जनवरी 2025 तक होने वाले आम चुनावों के बाद वह ब्रिटेन के पीएम नहीं होंगे। सर्वे में लेबर पार्टी को एक वर्ष से अधिक समय से बढ़त लेते हुए दिखाया गया है। हाल के कुछ सर्वेक्षणों में ऋषि सुनक को पिछड़ते हुए दिखाने के बाद, यूगोव ने इस सप्ताह लेबर पार्टी को 21 अंकों की बढ़त दी। वहीं दो दर्जन से अधिक कंजर्वेटिव सांसदों, सलाहकारों

और डोनर्स के साक्षात्कार के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि 43 वर्षीय सुनक ने फिलहाल आंतरिक चुनौती के खतरे को दबा दिया है।

इस मामले में जानकारों ने कहा है कि कम से कम 13 संभावित दावेदारों पर नजर रखनी होगी। पीएम सुनक के समर्थकों का कहना है कि उनकी टीम का ध्यान उनके प्रीमियरशिप को सफल बनाने पर है और जो चीज नियंत्रण से परे है, ऐसी घटनाओं से कभी विचलित नहीं होना है। ऋषि सुनक के सहयोगियों ने कहा है कि वे प्रधानमंत्री का समर्थन करने के लिए काम कर रहे हैं और टोरी पार्टी को चुनाव में जीताने पर फोकस कर रहे हैं। कुछ टोरी सदस्य सोचते हैं कि अगर लेबर पार्टी पूर्ण बहुमत हासिल करने में विफल रहती है तो सुनक तब भी जीत हासिल कर सकते हैं या पद पर बने रह सकते हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला कूल्हे की सर्जरी के बाद आधिकारिक आवास लौटे

(एजेंसी)। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को रविवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। कूल्हे के प्रतिरोपण के लिए उनकी दो दिन पहले सफल सर्जरी हुई थी और पूरी तरह से स्वस्थ होने तक वह घर से काम करेंगे।

लूला ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा कि वह राजधानी ब्रासीलिया में राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास लौट आए और आगामी हफ्तों में वह यहीं से काम करेंगे। उन्होंने पूर्व में कहा था कि पिछले साल अगस्त से उनके कूल्हे में दर्द था। लूला (77) का ऑपरेशन शुक्रवार को हुआ था। लूला ने 'एक्स' पर लिखा, ''आप सभी की प्रार्थनाओं और संदेशों के लिए शुक्रिया। मैं स्वस्थ हो रहा हूं तथा ब्राजील के लिए और अधिक काम करता रहूंगा।'' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब वह मैराथन दौड़ना चाहते हैं। लूला के चिकित्सकों ने इससे पहले रविवार को एक मेडिकल बुलेटिन में कहा था कि राष्ट्रपति किसी मदद के सहारे सीढ़ियां चढ़ और उतर पा रहे हैं।

नोबेल पुरस्कार 2023 का हुआ एलान, कोरोनावायरस वैक्सीन से जुड़ी खोज करने के लिए दिया गया पुरस्कार

वाशिंगटन (एजेंसी)। कोरोनावायरस महामारी को रोकने के लिए वैक्सीन विकसित करने वाले दो वैज्ञानिकों को चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया है। वैज्ञानिक काटोलिक करिको और ध्रुव विडमैन को संयुक्त रूप से चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। दोनों वैज्ञानिकों ने दुनिया की सोच अपनी वैक्सीन के निर्माण से बदल दी। उनकी खोज के बाद दुनिया भर के वैज्ञानिक शरीर में होने वाले इम्यून सिस्टम के एक्शन और रिएक्शन को बेहतर ढंग से समझ सके थे। नोबेल समिति के सचिव थॉमस पर्लमैन ने कोरोलिंस्का संस्थान में विजेता की घोषणा की।

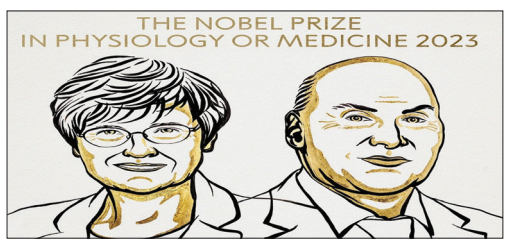

गौरतलब है कि पूरी दुनिया जब कोरोनावायरस संक्रमण की महामारी से जूझ रही थी, इस दौरान इन्हें वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसी खोज की जिससे पूरी दुनिया को बहुत अधिक मदद मिली। कोरोना के फैलने पर लोग परेशान थी क्योंकि इसका कोई इलाज उपलब्ध नहीं था। दुनिया भर के वैज्ञानिक इस घातक बीमारी से बचने के लिए दवाई खोजने में जुटे हुए थे। कोरोना के कारण दुनिया भर के सभी देश धीरे-धीरे तबाह हो रहे थे। इस घातक बीमारी नहीं करूं लोगों की जान ले ली। ऐसे में वैज्ञानिकों के ऊपर दबाव बेहद अधिक था कि वह जल्द से जल्द यानी कम समय में ऐसी वैक्सीन को निर्मित करें जिससे कोविड महामारी को रोका जा सके।

बता दें कि दोनों वैज्ञानिकों को न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोज के लिए यह नोबेल पुरस्कार मिला है जिससे कोरोनावायरस के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीको विकसित किया गया था। नोबेल समिति के सचिव थॉमस पर्लमैन ने कोरोलिंस्का संस्थान में विजेता की घोषणा की। बता दें कि नोबेल पुरस्कार की घोषणा चिकित्सा के साथ हो गई है। अब मंगलवार को भौतिक, बुधवार को रसायन विज्ञान और गुरुवार को साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। वहीं शुक्रवार को शांति पुरस्कार शनिवार को अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विजेता की घोषणा की जाएगी। बता दें कि नोबेल पुरस्कार जीतने वाले विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर यानी कि एक मिलियन अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है। बता दे कि यह धनराशि संस्थापक और स्वीडिश आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल द्वारा छोड़ी गई वसीयत से प्राप्त होती है। वर्ष 1896 में अल्फ्रेड नोबेल का निधन हो गया था।

वैश्विक शक्ति-साझाकरण ढांचे में जगह पाने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया में हिस्सा लें हिंदू : स्वामी विज्ञानानंद

वाशिंगटन (एजेंसी)। प्रभावी हिंदू धार्मिक नेता स्वामी विज्ञानानंद ने बैंकॉक में हिंदू समुदाय की एक वैश्विक बैठक से पहले कहा है कि वैश्विक शक्ति-साझाकरण ढांचे में जगह पाने के लिए हिंदुओं को राजनीतिक प्रक्रिया में हिस्सा लेना चाहिए।

स्वामी विज्ञानानंद 'वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन' के संस्थापक एवं वैश्विक अध्यक्ष हैं। यह संगठन चार साल में एक बार विश्व हिंदू कांग्रेस का आयोजन करता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक दुनिया में हिंदू केवल भांगड़ा, डांडिया और प्राणायाम (सांसों को नियंत्रित करने की प्राचीन प्रथा) के माध्यम से अपनी पहचान नहीं बना सकते। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से स्नातक विज्ञानानंद ने कहा, 'मैं इन सभी चीजों का सम्मान करता हूं, लेकिन शक्ति साझा करने के लिए हिंदुओं को अपनी मूल शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने और रणनीति बनाने की जरूरत है। इस दिशा में अब तक ज्यादा प्रयास नहीं किए गए हैं।'

भारतीय धार्मिक नेता ने कहा, 'हिंदुओं की आबादी वैश्विक जनसंख्या का छठा हिस्सा है, हम कई देशों में सबसे अमीर लोग हैं और हम शिक्षा और अकादमिक क्षेत्र में भी बहुत सफल हैंज। लेकिन वास्तविक सत्ता-साझाकरण में हमारी भूमिका नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'हिंदुओं को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने की आवश्यकता है। मैं किसी के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन उदाहरण के लिए कनाडा में हिंदुओं की संख्या खालिस्तानियों से कहीं ज्यादा है। लेकिन हमारे पास संसद में केवल चार सदस्य हैं। वे 27 हैं। असली सत्ता के खेल में 27 मायने रखते हैं, चार नहीं। यही हम वैश्विक हिंदू समुदाय को समझाने की कोशिश कर रहे हैं।'

बैंकॉक में 24 से 26 नवंबर तक होने वाले अगले सत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'इस दिशा में विश्व हिंदू कांग्रेस का यही फोकस और प्रयास है।' उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर हिंदुओं को 'शांतिप्रिय, सह-अस्तित्व में रहने वाले और योगदान देने वाले समुदाय' के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है, जो सरकारी कल्याण पर निर्भर नहीं हैं।

स्वामी विज्ञानानंद एक दशक से अधिक समय से विश्व हिंदू कांग्रेस के माध्यम से दुनियाभर के हिंदुओं को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में विश्व हिंदू कांग्रेस के तीसरे संस्करण में 60 से अधिक देशों के हजारों हिंदू शामिल होंगे। आखिरी विश्व हिंदू कांग्रेस 2018 में शिकागो में आयोजित की गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईआईटी के छात्र अब पहनेंगे खादी

नई दिल्ली । अब आईआईटी के छात्र खादी पहनकर उसकी ब्रांडिंग करेंगे। गांधी जयंती के मौके पर आईआईटी दिल्ली कैंपस में खादी का पहला आउटलेट खुलने जा रहा है। आईआईटी दिल्ली के बाद आईआईटी बॉम्बे समेत अन्य आईआईटी और विश्वविद्यालयों में भी ऐसे खादी के आउटलेट खुलेंगे। युवाओं में खादी को एक ब्रांड की तरह पहचान दिलवाने के मकसद से खादी इंडिया आईआईटी में आउटलेट खोल रहा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृतकाल में भारत को एक रूप दिया है। भारत युवाओं का देश है, इसीलिए 'नए भारत की आधुनिक खादी' थीम पर युवाओं को फोकस करते हुए परिधानों की विशेष रेंज तैयार की गई है। खादी को युवाओं का ब्रांड बनाने के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के टॉप डिजाइनर ने उनकी पसंद और मार्केट डिमांड के आधार पर विशेष फैब्रिक और डिजाइन तैयार किए हैं। इसमें कुर्ता-पाजामा, सूट आदि वेस्टर्न लुक पर भारतीयता को भी दर्शाते होंगे। खादी ने युवाओं के आधार पर तैयार विशेष डिजाइन इन परिधानों का बाकायदा उनके बीच फैशन शो और सर्वे में परखा भी है। युवाओं के बीच खादी ब्रांड की पहुंच के लिए आईआईटी दिल्ली कैंपस में खादी का देश में पहला आउटलेट बनकर तैयार हो गया है। यह देखने में कुछ-कुछ फैब इंडिया जैसा होगा। यहां पर कपड़ों के लिए शैंपू और क्रीम आदि भी मिलेंगे। आईआईटी दिल्ली कैंपस से गांधी जयंती के मौके पर खादी के पहले आउटलेट की शुरुआत हो रही है।

आतिश ने दिल्ली के सरदार पटेल कोविड देखभाल केंद्र में अनियमितताओं की जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री आदेश ही ने मुख्य सतर्कता अधिकारी को 2020 में और स्थाई सरदार पटेल कोविड देखभाल सुविधा केंद्र की स्थापना में कथित तौर पर अनियमिताओं की जांच करने का निर्देश दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल की शुरुआत में दिल्ली के मुख्य सचिव को केंद्र में एयर कंडीशनिंग सिस्टम स्थापित करने में शामिल कंपनी के वैधानिक बकाया के मुद्दे को देखने का निर्देश जारी किया था। इसी संबंध में आतिश ने 25 सितंबर को एक आधिकारिक आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया कि मामले के रिकॉर्ड की विस्तृत जांच में भ्रष्टाचार के आचरण गुप्त लेनदेन और भाईचारे का संदेह पैदा होता है। यह सभी कृत्य सुशासन के लिए पूरी तरह से प्रतिकूल है, जिन्हें किसी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि ऐसा लगता है की याचिका करता फर्म और जीएनसीटीडी के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले में मिली भगत की है। यह भी संदेह पैदा होता है कि अधिकारियों ने संबंधित कार्यों को पूरा करने के लिए निविदा देने के लिए फर्म से रिश्वत हासिल की होगी। इस मामले की वजह अगर होने के बाद मंत्री आदेश जी ने मुख्य सतर्कता अधिकारी को मामले की जांच करने भ्रष्ट आचरण में शामिल होने वाले अधिकारियों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मुख्य सतर्कता अधिकारी को मामले की एक विस्तृत रिपोर्ट भी सौंपनी होगी जिससे कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

केरल में भारी बारिश जारी, आईएमडी का तीन जिलों के लिए 'येलो अलर्ट'

तिरुवनंतपुरम। केरल के विभिन्न इलाकों में सोमवार को भी भारी बारिश जारी रही जिससे लोगों को सामान्य जनजीवन पर असर पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तीन जिलों पत्तनमथिट्टा, अलाप्पुझा और एर्नाकुलम में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी छह से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश के पूर्वानुमान पर येलो अलर्ट जारी करता है। वहीं, विभाग ने पांच अक्टूबर तक बारिश होने का अनुमान जताया है। राज्य में बीते तीन चार दिन से भारी बारिश जारी है जिससे कई स्थानों पर पेड़ों के उखड़ने, जलभराव और दीवारों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने बताया कि बीते 24 घंटों में सबसे अधिक प्रभावित जिले पत्तनमथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम और कोझिकोड रहे। प्राधिकरण ने रविवार को बताया कि अलाप्पुझा और कोट्टायम में एक-एक शिविर स्थापित किया गया है। बीते 24 घंटों में बारिश से संबंधित हादसों में 26 लोग प्रभावित हुए। भारी बारिश से पूर्व में अलप्पुझा जिले के कुट्टनाड क्षेत्र के एक छोटे से गांव एडथुआ में सैकड़ों एकड़ में फैले धान के खेत जलमग्न हो गए थे। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लगातार बारिश के चलते पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों से अतिरिक्त सतर्कता बरतने का आग्रह किया है।

आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकवादी शाहनवाज को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों में से एक, शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहनवाज के आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के साथ कथित संबंध हैं। अधिकारियों ने बताया कि शाहनवाज पुणे पुलिस की हिरासत से भाग गया था और दिल्ली में रह रहा था। उस पर तीन लाख रुपये का इनाम घोषित था। एक अधिकारी ने बताया कि पेशे से इंजीनियर शाहनवाज को दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गिरफ्तार कर लिया है और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े और हिरासत में लिए गए चार-पांच अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि शाहनवाज के शरीर पर कुछ रासायनिक पदार्थ पाया गया और इस पदार्थ को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आईईडी बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है।

गुवाहाटी को 59 करोड़ रुपये की लागत से बना जैविक उद्यान मिला

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी के निवासियों को उस जमीन पर 59 करोड़ रुपये की लागत से बना एक वनस्पति उद्यान मिल गया, जहां कभी केंद्रीय जेल हुआ करती थी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 2.58 एकड़ में स्थित जलाशयों सहित 36 बीघा (लगभग 12 एकड़) के क्षेत्र में फैले वनस्पति उद्यान का उद्घाटन किया। उद्यान में 230 से अधिक देशी प्रजातियों की वनस्पतियों से संबंधित 85,000 पौधे हैं। साथ ही परिसर के अंदर औषधीय पौधों के लिए लगभग 2.08 एकड़ का एक समर्पित स्थान रखा गया है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शर्मा ने रविवार को कहा, 'गुवाहाटी केंद्रीय जेल को लोखरा में स्थानांतरित करने के बाद शुरू में यह निर्णय लिया गया था कि खाली जमीन पर एक शॉपिंग मॉल का निर्माण किया जाएगा। 2016 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के सत्ता में आने पर यह निर्णय लिया गया कि वहां एक सार्वजनिक उद्यान बनाया जाए।' उन्होंने कहा कि वनस्पति उद्यान गुवाहाटी के निवासियों के लिए व्यापक खुली जगह प्रदान करेगा। शर्मा ने कहा, 'इसे एक उद्यान के रूप में संदर्भित करने के बजाय क्षेत्र की वनस्पतियों की स्वदेशी और दुर्लभ प्रजातियों के भंडार में बदलने के उद्देश्य से वनस्पति उद्यान का नाम दिया गया है।' उन्होंने कहा कि उद्यान में 'गाइड' तैनात किए जाएंगे ताकि युवा पीढ़ी के लोगों को क्षेत्र की समृद्ध वनस्पति विरासत से परिचित कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी को 'दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार' बनाने के लिए जारी और आगामी परियोजनाओं की भी जानकारी दी।

देवरिया में जमीन के विवाद को लेकर एक ही परिवार के छह सदस्यों की हत्या

देवरिया जिले के रूद्रपुर क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर सोमवार को सुबह दो पक्षों के बीच कथित रूप से जमीन के विवाद को लेकर एक ही परिवार के छह सदस्यों की हत्या कर दी गयी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि रुद्रपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में आज सुबह करीब छह बजे जमीन के विवाद को लेकर सत्य प्रकाश दुबे और उसके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी गयी। बताया जाता है कि इस वारदात को दो दिन पहले जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव की धारदार हथियार से हुई हत्या के प्रतिशोध में अंजाम दिया गया है। विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून—व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि यादव के समर्थकों ने दुबे के घर पर हमला कर दिया, जिसमें दुबे सहित पांच लोग मारे गए। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन विवाद को लेकर दुश्मनी थी। कुमार ने बताया कि इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना को संज्ञान में लेते हुए अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

भाजपा की सरकार बनने पर वह जनहित की किसी योजना को नहीं रोकेगी: मोदी

चित्तौड़गढ़, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस सरकार पर गत पांच साल में राजस्थान की साख को तबाह कर देने का आरोप लगाते हुए भरोसा दिलाया है कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर वह जनहित की किसी योजना को नहीं रोकेगी वहीं गुंडागर्दी, दंगे, बेईमानी एवं भ्रष्टाचार रोकेगी और हर गरीब का पक्का घर, महिला सुरक्षा एवं रोजगार लाकर समृद्ध राजस्थान बनायेगी।

श्री मोदी सोमवार को यहां जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरा राजस्थान एवं मेवाड़ क्या सोच रहा है यहां साफ साफ दिखाई दे रहा है और राजस्थान ने आह्वान कर दिया है कि राजस्थान बचायेंगे भाजपा सरकार को लायेंगे। उन्होंने मेवाड़ एवं राजस्थान की पहचान अतिथि सत्कार, लोकसंगीत, लोक संस्कृति एवं शौर्य की है। एक-एक विरासत पर गर्व करने की है लेकिन गत पांच साल में कांग्रेस सरकार ने राजस्थान की साख को तबाह कर दिया है।

उन्होंने कहा कि जब अपराध की खबरे आती है तो बड़ा दुख होता है और वह दुखी मन से कह रहे है कि आज जब अपराध की बात आती है तो कौनसा राज्य शीर्ष पर आता है, यह हमारा राजस्थान आता है। इसी तरह महिलाओं, दलितों एवं पिछड़ों पर अत्याचार की बात

होती है तो राजस्थान नम्बर एक पर है।

उन्होंने कहा 'मैं जनता को दुख के साथ पूछना चाहता हूं कि आपने पांच साल पहले इसके लिए कांग्रेस को वोट दिया था। राजस्थान में कांग्रेस ने लोगों को भ्रम में डालकर सरकार तो बना ली लेकिन वह सरकार चला नहीं पाई।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी कुर्सी बचाने में लगे रहे जबकि आधी कांग्रेस उनकी कुर्सी गिराने में लगी रही और जनता को अपने हाल पर छोड़ कर आपसी लड़ाई में ही लगे रहे। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस मिलीभगत में लगी रही और उसने राजस्थान को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी और पांच साल में कांगेस ने यही ही काम किया है। उन्होंने जनता से पूछा कि क्या राजस्थान में ऐसी सरकार रहनी चाहिए, एक दिन भी रहनी चाहिए, क्या ऐसी सरकार चलेगी।

उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश नाकाम ट्रैक पर मिले पत्थर-लोहे की कड़ी

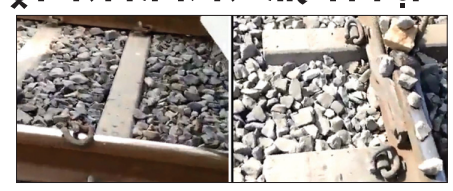

भीलवाड़ा। उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को दुर्घटना का शिकार होते-होते बच गई। दरअसल किसी ने ट्रेन के मार्ग पर भीलवाड़ा के पास रेलवे ट्रैक पर पत्थर मिले हैं। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है। ट्रेन के आगे रेलवे ट्रैक पर कुछ-कुछ दूरी पर पत्थर रखे हुए हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रेन से उतरकर कर्मचारी उन पत्थरों को हटाते दिख रहे हैं। पत्थरों के साथ ही इसमें लोहे की कड़ी भी दिख रही है। अगर इस पर ट्रेन चढ़ जाती तब कोई बड़ा हादसा हो सकता था। 24 सितंबर से उदयपुर-जयपुर वंदे भारत स्पेशल ट्रेन को उदयपुर से हरी झंडी दिखाई गई। ये ट्रेन उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर और जयपुर सहित राज्य के पांच जिलों से होकर गुजरेगी और रास?ते में किशनगढ़, अजमेर, भीलवाड़ा, चंदेरिया, मावली जंक्शन और राणा प्रताप नगर स्टेशनों पर रुकती है। बता दें ये ट्रेन ट्रायल के दौरान भी एक छोटे हादसे का शिकार हो गई थी। दरअसल जब इस वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रायल किया गया, तब रास्ते में मवेशी ट्रेन से टकरा गया। हालांकि इस हादसे में उसकी जान तब नहीं गई लेकिन ट्रेन के इंजन के फ्रंट नोज पैनल को नुकसान हुआ था। ये हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेन चित्तौड़ स्टेशन से दो किलोमीटर दूर थी।

भाजपा की सरकारें महिला विरोधी अपराधों पर कभी जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करतीं: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राजस्थान सरकार पर निशाना साधे जाने के बाद सोमवार को पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य सरकारें महिला विरोधी अपराधों के मामलों में जिम्मेदारी और जवाबदेही स्वीकार नहीं करतीं, जबकि उसकी सरकारें न्याय दिलाने के लिए तत्परता से काम करती हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर, उज्जैन और महिला पहलवानों पर अत्याचार की घटनाओं को लेकर एक शब्द नहीं बोलते, लेकिन चुनाव प्रचार के समय विपक्ष की सरकारों के खिलाफ 'झूठ' बोलते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कानून व्यवस्था, महिला अत्याचार सहित अन्य मुद्दों को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पांच साल में कांग्रेस की सरकार ने राजस्थान की साख को तबाह कर दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों को भ्रम में डालकर कांग्रेस ने यहां सरकार तो बना ली लेकिन सरकार चला नहीं पाई। उन्होंने कहा, 'पांच साल राजस्थान में कांग्रेस ने यही किया है। हर भ्रष्टाचारी, गुंडा, दंगाई, अत्याचारी और कांग्रेस का हर नेता खुद को राजस्थान की सरकार मान बैठा है।' रमेश ने

प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री मणिपुर पर एक शब्द भी नहीं बोलेंगे। वह उज्जैन का ज़िक्र नहीं करेंगे। वह महिला पहलवानों पर अत्याचार करने वाले अपनी ही पार्टी के सांसद के ख़िलाफ़ कार्रवाई नहीं करेंगे। न ही हमारे राष्ट्रीय चैंपियन्स के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की गई क्रूरता की निंदा करेंगे। लेकिन जब चुनाव प्रचार की बात आएगी, तब वह वही करेंगे जो सबसे अच्छा करते हैं - बेशर्मी से झूठ बोलना।' उन्होंने कहा, 'हमने सोचा था कि कम से कम गांधी जयंती के दिन प्रधानमंत्री देश को अपने झूठ और तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश करने एवं बदनाम करने वाली राजनीति से बख्शेंगे।' रमेश ने दावा किया, 'रिकॉर्ड के लिए कांग्रेस पार्टी कभी भी महिलाओं के ख़िलाफ़ हिंसा को नज़रअंदाज़ नहीं करेगी। राजस्थान सरकार ने सभी मामलों में अत्यंत तत्परता और गंभीरता के साथ न्याय दिलाने के लिए कार्रवाई की है और आगे भी करेगी। भाजपा सरकारें इसके विपरीत काम करती हैं, कभी भी ज़िम्मेदारी या जवाबदेही स्वीकार नहीं करतीं। यही अंतर है।'

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में टेका मत्था

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में सत्तारूढ़ आप के साथ झगड़े के बीच, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने निजी दौरे पर पवित्र सिख तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर पहुंचकर मत्था टेका। कांग्रेस नेताओं ने कहा, यह निजी दौरा है, राजनीतिक नहीं। यात्रा के दौरान, वह लंगर (सामुदायिक रसोई) में सेवा (स्वैच्छिक सेवा) करने वाले हैं। गांधी जयंती के अवसर पर अवकाश के कारण स्वर्ण मंदिर में सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु प्रार्थना करने के लिए कतार में खड़े हैं।

राहुल के स्वर्ण मंदिर दौरे से एक दिन पहले, पार्टी के पूर्व राज्य प्रमुख नवजोत सिद्धू ने इंडिया गठबंधन के लिए वकालत की। उनका बयान उस समय आया है, जब पार्टी के अधिकांश नेता, जिनमें राज्य प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग और प्रताप सिंह बाजवा शामिल हैं, 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए आप के साथ गठबंधन का विरोध कर रहे हैं।

2015 के एनडीपीएस मामले में पार्टी विधायक सुखपाल खैरा की गिरफ्तारी ने आप और कांग्रेस के बीच विवाद को और बढ़ा दिया है। वहीं एक पोस्ट में, सिद्धू ने कहा, इंडिया गठबंधन एक ऊंचे पहाड़ की तरह खड़ा है...यहां और वहां कोई भी तूफान इसकी भव्यता को प्रभावित नहीं करेगा। हमारे लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस ढाल को तोड़ने का कोई भी प्रयास निरर्थक साबित होगा।

बिहार में जातिगत जनगणना रिपोर्ट के आंकड़े देख गिरिराज सिंह ने साधा नीतीश सरकार पर निशाना

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट जारी कर दी है। जैसे ही यह रिपोर्ट सामने आई वैसे ही बिहार में राजनीतिक सियासत गरमा गई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने इस ऐतिहासिक क्षण बताया। वहीं दूसरी तरफ भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला और उनसे कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड मांग लिया।

बिहार में जातिगत जनगणना की रिपोर्ट सामने आने के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना बिहार की गरीब जनता में भ्रम फैलाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने नीतिश सरकार के इस फैसले का समर्थन किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में आई इस रिपोर्ट के बाद नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए उनसे बीते 15 वर्षों और लालू यादव को अपने 18 साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड दिखाने की चुनौती दे दी है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि दोनों नेताओं ने अपने कार्यकाल में गरीबों के लिए क्या काम किया उनका कितना उद्धार किया कितने लोगों को नौकरी दी यह सब भी जाहिर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट सिर्फ एक भ्रम है इसके अलावा और कुछ भी नहीं।

बिहार में आई जातिगत जनगणना के रिपोर्ट के बाद कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने इसका पक्ष लिया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि हम तो हमेशा से जातिगत जनगणना के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में जब सरकार बनेगी तो उसके बाद भी हम वहां जातिगत जनगणना करवाएंगे।

अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत: योगी

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है जिसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरी दुनिया देखा है।

श्री योगी ने यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और राष्ट्रहित में उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। बापू के सत्य व अहिंसा के संदेश का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

गांधी जयंती पर मुख्यमंत्री ने टाउनहॉल स्थित उनकी प्रतिमा पर रामधुन के बीच माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर योगी ने शास्त्री चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया। बापू की जयंती पर मुख्यमंत्री गोलघर के गांधी आश्रम भी पहुंचे और चरखा चलाकर उन्हें याद किया। सीएम ने गांधी आश्रम में सूत कातने की विधि को देखने, जानकारी लेने,

खादी व ग्रामोद्योग के उत्पादों का अवलोकन करने के बाद खादी के वस्त्र भी खरीदे। गांधी आश्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरी दुनिया इसे देख चुकी है। पूरा देश आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती पर नमन कर रहा है। बापू ने उन्होंने पूरी दुनिया को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाकर यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए दुनिया की बड़ी से बड़ी ताकत को झुकाया जा सकता है। महात्मा गांधी ने स्वदेशी, सत्य व अहिंसा का पालन करते हुए उन अंग्रेजों को देश छोड़ने को मजबूर कर दिया, जिनके बारे में कहा जाता था कि उनके राज्य में सूर्य अस्त नहीं होता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों व निकायों में स्वच्छांजलि का कार्यक्रम चल रहा है। स्वदेशी, स्वावलंबन, सत्य व अहिंसा का जो मार्ग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिखाया था, उसके साथ ही उनके लिए स्वच्छता का अभियान भी बहुत महत्वपूर्ण था। स्वच्छांजलि का कार्यक्रम बापू के इसी अभियान से प्रेरित है। देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुये उन्होंने कहा कि जय जवान-जय किसान का उद्घोष कर सुरक्षा के साथ आत्मनिर्भरता के प्रति आह्वान करने वाले शास्त्री जी बापू के परम अनुयायी भी थे। आज देश व समाज में उनके योगदान को नमन करने का भी अवसर है। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी मौजूद रहे।

झारखंड में भारी बारिश, आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत

रांची। झारखंड में भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने के कारण पिछले 24 घंटे में रांची निवासी एक व्यक्ति सहित कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। झारखंड के कई हिस्सों में शनिवार शाम से लगातार बारिश हो रही है, जिससे कई पुलिया क्षतिग्रस्त हो गईं और कई लोगों की जान भी चली गई। रांची के लालपुर इलाके में रविवार को एक 28 वर्षीय युवक उफनते नाले में गिर गया और उसका शव सोमवार की सुबह घटनास्थल से लगभग 2.5 किमी दूर बरामद किया गया। मृतक की पहचान देव प्रसाद उर्फ छोटू के रूप में हुई। गोंडा पुलिस थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया, 'व्यक्ति का शव आज सुबह बरामद किया गया। वह रविवार को भारी बारिश के कारण उफनते नाले में गिर गया था।' पुलिस ने बताया कि झारखंड के जामताड़ा जिले में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला और तीन बच्चों की मौत हो गई। बच्चों की उम्र डेढ़ से सात साल बताई जा रही है। नारायण पुलिस थाने के प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि यह घटना चंदाडीह लखनपुर की है।

9 लाख किमी का सफर तय करके आदित्य एल-1 पहुंचने वाला है मंजिल पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो ने एक बड़ा अपडेट देते हुए कहा है कि अब कुछ ही दिनों में आदित्य एल1 अपनी मंजिल पर पहुंचने वाला है। मिली जानकारी के अनुसार इसरो द्वारा सूर्य पर भेजा गया आदित्य-एल1 तेजी से सूरज की तरफ बढ़ रहा है, जो इसरो के साथ-साथ पूरे देश को गौरवान्वित करने वाला है। इसरो ने आदित्य-एल1 को लेकर हाल ही में एक बड़ा अपडेट दिया है, जिससे हर भारतीय की खुशी बढ़ सकती है। पूरी दुनिया की नजर अब चंद्रयान-3 के बाद इसरो के सोलर मिशन पर टिकी हुई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि 'आदित्य-एल1' अंतरिक्ष यान पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव क्षेत्र से सफलतापूर्वक बाहर निकलकर धरती से 9.2 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुका है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने 'एक्स' पर कहा कि अब यह सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु 1 (एल1) की ओर अपना मार्ग तय कर रहा है। इसरो ने कहा कि यह लगातार दूसरी बार है कि पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र के बाहर एक अंतरिक्ष यान भेजा। इससे पहले मंगल ऑर्बिटर मिशन को भेजा गया था। वहीं यह लगातार पांचवीं बार है जब इसरो ने किसी वस्तु को किसी अन्य खगोलीय पिंड या अंतरिक्ष में स्थान की ओर सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया है।। इसने अपने अंतरिक्ष यान को तीन बार चंद्रमा की ओर और एक बार मंगल पर भेजा है।

बता दें कि इसरो ने देश के पहले सूर्य मिशन के तहत 'आदित्य एल1' यान को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी)-सी57 के जरिये दो सितंबर को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था। 'आदित्य एल1' सात पेलोड लेकर गया है, जिनमें से चार सूर्य के प्रकाश का निरीक्षण करेंगे और शेष तीन प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र के इन-सीटू मापदंडों को मापेंगे। भारत के इसरो ने 2 सितंबर को ही अंतरिक्ष में लैग्रेंज बिंदु एल1 के लिए 'आदित्य एल1' के लगभग 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय कर लैग्रेंजियन बिंदु 'एल1' के आसपास 'हेलो' कक्षा में स्थापित होने की उम्मीद है, जिसे सूर्य के सबसे करीब माना जाता है।

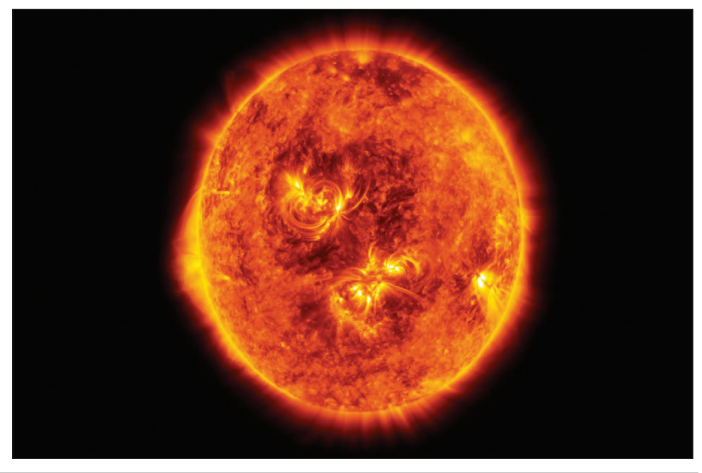

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में मामा भाणेज की लड़ाई में 19 साल के युवक की सीने में चाकू लगने से मौत

पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के आठवां थाना क्षेत्र में ख्वाजादा दरगाह के पास कल देर रात 30 हजार के मुद्दे पर बातचीत के लिए बुलाकर सास समेत तीन लोगों पर जानलेवा हमला करने की घटना हुई है. जिसमें चाचा-भतीजे के बीच हुए झगड़े के कारण मीटिंग में गए सगरामपुरा के 19 वर्षीय युवक की चप्पू लगने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई. पुलिस ने हत्या और दंगे का मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

खालिद से 30 हजार रुपये उधार लेने की घटना का विवरण यह है कि सागरमपुरा मौलवी स्ट्रीट पर रहने वाले राजा हुसैन गुलाम हुसैन मनियार के दोस्त ताहिर ने खालिद नाम के एक युवक से ३० हजार रुपये उधार लिए थे और उसका मामा गारंटर था. इसी बीच खालिद ने गारंटर के

पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद

सूरत में देर रात हुई हत्या की पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई. जिसमें युवक एक-दूसरे पर चप्पू और अन्य हथियारों से हमला करते साफ नजर आ रहे थे. आधी रात को चाय की दुकान के अंदर और बाहर उन पर धारदार हथियारों से हमला होते भी देखा गया। इसके अलावा सीसीटीवी में भी दोनों गुटों के बीच मारपीट साफ देखी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच की.

पांचों आरोपियों की गिरफ्तारी

के बाद डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि देर रात पैसे लेने के दौरान दो गुटों में झगड़ा हो गया था. सागरमपुरा में हेटा का युवक राजा मनियार चप्पू से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए देर रात पास के निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां उनकी मृत्यु हो गई. घटना के बाद पुलिस अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंचा और जांच की. इस बीच पुलिस ने हमला करने वाले 7 से 8 आरोपियों में से पांच को गिरफ्तार कर लिया है. बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है।

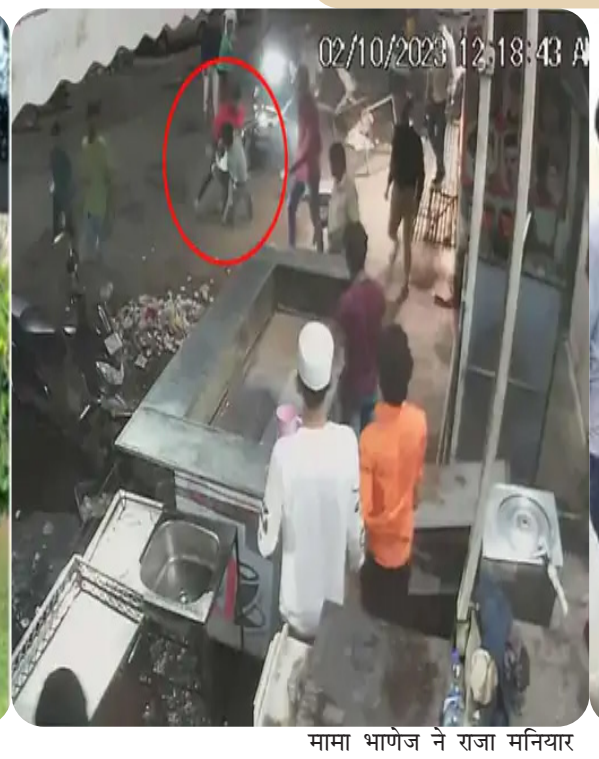

ख्प में रहने वाले अपने चाचा मुस्तकी का मोबाइल फोन ले लिया और कहा कि ताहिर पैसे नहीं दे रहा है, जबकि खालिद अक्सर पैसे मांगता था।

बातचीत के दौरान मामला बढ़ गया,मामा मुस्तकी ने ताहिर को इस बारे में बताया। कल रात, मुस्तकी, ताहिर और राजा मनियार खालिद से बात करने के लिए गोपीपुरा में पखलीवाद ख्वाजादा की दरगाह के पास एक चाय की दुकान पर खालिद के पास गए। खालिद के साथ उसके सात अन्य दोस्त भी थे। बातचीत के दौरान मामला गरमा गया और मारपीट शुरू हो गई. इसी बीच खालिद और उसके लोगों में मारपीट हो गयी.

मामा भाणेज ने राजा मनियार की छाती पर चप्पू से प्रहार किया और इस लड़ाई में दोनों तरफ के युवक लड़ने लगे. जिसमें लड़ाई में साथ गए राजा हुसैन गुलाम हुसैन मनियार के सीने और बाजू पर चप्पू से वार किया गया। हमले के बाद खालिद समेत अन्य आरोपी भाग गए। बाद में लहूलुहान हालत में राजा मनियार को इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया. जहां कुछ देर इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने हत्या और दंगे का मामला दर्ज कर लिया है.पैसे के बदले में युवक की हत्या की सूचना मिलने पर आठ पुलिसकर्मियों का काफिला मौके पर पहुंचा. पुलिस ने राजा मनियार के शव को पीएम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटना में हत्या और दंगे का मामला दर्ज कर जांच शुरूकर दी है.

सूरत में काम से घर जा रहे दो दोस्तों पर फेंका गया ज्वलनशील तरल पदार्थ

एक की हालत गंभीर,ऑपरेशन किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ,सूरत के भेस्तान इलाके में दो दोस्तों पर एसिड अटैक किया गया. इसके बाद दोनों दोस्तों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से एक की हालत गंभीर है और ऑपरेशन किया गया है. आशंका जताई जा रही है कि एसिड अटैक छह माह पहले हुए झगड़े के चलते किया गया है।

घर लौटते समय हुआ एसिड अटैक 45 वर्षीय केदार गौड़ा ओडिशा और सूरत के भेस्तान में सिद्धार्थ नगर सोसायटी में अकेले रहते हैं। परिवार में पत्नी और चार बच्चे हैं जो गृहनगर में रहते हैं। केदार सूरत की एक मिल में काम करके अपना जीवन यापन करता है। वह कल शाम अपने दोस्त प्रकाश गौड़ा के साथ काम से घर लौट रहा था। इसी बीच एसिड अटैक हो गया.

दोनों दोस्त घर जाते समय जमीन पर लोट रहे थे, तभी अचानक फैक्ट्री से थोड़ी दूरी पर स्थित गुरुकृप्पा इंडस्ट्रियल के पास एक सार्वजनिक शौचालय से आए इसामे ने केदार पर तेजाब फेंक दिया और उसका दोस्त प्रकाश गंभीर रूप से झुलस गया । इससे पहले कि उसे पता चलता हमलावर भाग गया। दोनों सहेलियां गंभीर रूप से जल जाने के कारण जमीन पर

पड़ी हुई थीं.

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और दोनों दोस्तों को तत्काल इलाज के लिए सिविल ले जाया गया। जहां केदार की दोनों आंखें, चेहरा और सीना गंभीर रूप से झुलस गया। जबकि प्रकाश नामक दोस्त का हाथ और सीना झुलस गया। प्रकाश की स्थिति अब सामान्य है. वहीं केदार की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें ऑपरेशन कराना पड़ रहा है। घटना की सूचना के बाद पुलिस भी दौड़ पड़ी। हालत गंभीर होने के कारण अभी तक कोई बयान नहीं लिया गया है। आशंका जताई जा रही है कि 6 माह पहले हुए झगड़े में केदार पर ज्वलनशील तरल पदार्थ से हमला किया गया है। हालांकि पता चला है कि पुलिस ने हमलावर को भी पकड़ लिया है. हमले के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है. केदार की हालत गंभीर है और वह बयान देने में असमर्थ हैं.

सूरत में सुरक्षा गार्ड को ट्रक ड्राइवर ने कुचला, कड़ी मशक्कत से टायरों में फंसे शव को बाहर निकाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आधे घंटे की मशक्कत के बाद सिक्योरिटी गार्ड को बाहर निकाला गया,

ट्रक के एक हिस्से को हाइड्रा क्रेन से उठाया गया और आधे-आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पहिये में फंसे अधेड़ को बाहर निकाला गया. घायलों को अब इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने अधेड़ को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पांडेसरा पुलिस में ट्रक ड्राइवर के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है. पुलिस ने भागे हुए ट्रक के चालक को पकड़ने के लिए जांच शुरूकर दी है।

सूरत के पांडेसरा जीआईडीसी स्थित आकाश डाइंग एंड प्रिंटिंग मिल में बेहद दुखद घटना घटी। ड्यूटी पर कुर्सी पर बैठे एक अधेड़ उम्र के सुरक्षा गार्ड को कोयला लदे ट्रक चालक ने टक्कर मार दी और वह ट्रक के पहिए में फंस गया। जिससे वहां पर अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलने पर दमकल कर्मियों का काफिला मौके पर पहुंचा और ट्रक के पहिये में फंसे अधेड़ उम्र के व्यक्ति को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया गया.

55 वर्षीय सुरक्षा गार्ड रामकल्याण की मौत पांडेसरा के नागसेन नगर निवासी 55 वर्षीय रामकल्याण मोतीलाल केसरवानी पांडेसरा जीआईडीसी में आकाश डाइंग एंड मिल में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थे। वह मिल में ड्यूटी पर थे और कुर्सी पर बैठे थे, तभी 20 से 25 टन कोयले से लदे ट्रक के ड्राइवर ने रिवर्स करते समय अधेड़ उम्र के सुरक्षा गार्ड रामकल्याण को टक्कर मार दी.

ट्रक के पहिए को जैक से उठाने की घटना इतनी भयानक थी कि अधेड़ उम्र के लोग ट्रक के पहिए में फंस गए. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी. घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मियों का काफिला मौके पर पहुंचा. इसके अलावा उप अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि अधेड़ उम्र का सुरक्षा गार्ड पहिये में फंस गया था. इसलिए सबसे पहले ट्रक के पहिए को जैक से उठाया गया।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे